कार्यालय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा, ब्लॉक–भीण्डर (उदयपुर)

संकल्प-2022

(एक अभिनव पहल)

प्रश्न बैंक

लेखाशास्त्र

कक्षा –12

बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक एवं संख्यात्मक उन्नयन
हेतु अभिनव कार्ययोजना के तहत् निर्मित

मुख्य संरक्षक

कानाराम , IAS
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा
राजस्थान, बीकानेर

एन्जिलिका पलात
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, उदयपुर

ओम प्रकाश आमेटा
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
उदयपुर

संरक्षक

रमेश सीरवी पुनाड़िया, RAS
उपखण्ड अधिकारी
भीण्डर,उदयपुर

श्रवण सिंह राठौड़, RAS
उपखण्ड अधिकारी
वल्लभनगर, उदयपुर

मार्गदर्शन

महेन्द्र कुमार जैन
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक भीण्डर, उदयपुर

भेरुलाल सालवी
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

रमेश खटीक
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

गिरिश चौबीसा
संदर्भ व्यक्ति

महेन्द्र कोठारी
संदर्भ व्यक्ति

संयोजक

भारती सालवी, व्याख्याता, रा.उ.मा.वि. वल्लभनगर, उदयपुर

कार्यकारी दल

भारती सालवी,व्याख्याता,रा.उ.मा.वि. वल्लभनगर, उदयपुर

कैलाश चन्द्र माहेश्वरी,व्याख्याता,रा.उ.मा.वि.रूण्डेड़ा,उदयपुर

दिनेश चन्द्र डिडवानिया,व्याख्याता,भैरव रा.उ.मा.वि.,भीण्डर, उदयपुर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर परीक्षा 2022 के संक्षिप्तिकृत पाठ्यक्रम – लेखाशास्त्र

अध्याय का नाम	अंकभार
भाग–1	
अध्याय–1 अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन	07
अध्याय–2 साझेदारी लेखांकन : आधारभूत अवधारणाएँ	07
अध्याय–3 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन साझेदार का प्रवेश	13
भाग–2	
अध्याय–1 अंशपूजी के लिए लेखांकन	12
अध्याय–2 ऋणपत्रों का निर्गमन एवं मोचन	20
अध्याय–3 कम्पनी के वित्तीय विवरण	05
अध्याय–4 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण	06
अध्याय–5 लेखांकन अनुपात	10
कुल योग	**80**

CBEO BHINDER UDAIPUR

अनुक्रमाणिकाः–

अध्याय	पेज नं.
1. अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन	5
2. साझेदारी लेखांकन आधारभूत अवधारणाएँ	11
3. साझेदारी फर्म का पुनर्गठनः साझेदार का प्रवेश	15
4. अंश पूंजी के लिए लेखांकन	19
5. ऋणपत्रों का निर्गमन एवं मोचन	36
6. कम्पनी के वित्तीय विवरण	44
7. वित्तीय विवरणों का विश्लेषण	48
8. लेखाकंन अनुपात	55

CBEO BHINDER UDAIPUR

भाग– 1

अध्याय–1 अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन

बहुचयनात्मक प्रश्नः–

प्र. 1 अलाभकारी संस्थाओं का मूल उद्वेश्य होता है ?

(अ) लाभ कमाना (ब) जन कल्याणकारी कार्य

(स) व्यवसाय करना (द) उपरोक्त में से कोई नही (ब)

प्र. 2 आय–व्यय खाता है –

(अ) वास्तविक खाता (ब) नाममात्र का खाता

(स) व्यक्तिगत खाता (द) उपरोक्त में से कोई नहीं (ब)

प्र. 3 आजीवन सदस्यता शुल्क आय–व्यय खाते व तुलन पत्र/चिट्ठे में किस जगह दिखाया जाएगा ?

(अ) आय–व्यय खाते के नामे पक्ष में (ब) तुलन पत्र/चिट्ठे के सम्पति पक्ष में

(स) आय–व्यय खाते के जमा पक्ष में (द) तुलन पत्र/चिट्ठे के दायित्व पक्ष में (द)

प्र. 4 प्राप्ति व भुगतान खाते में मदें दिखाई जाती है –

(अ) पूंजीगत (ब) आयगत

(स) पूंजीगत व आयगत (द) उपरोक्त में से कोई नहीं (स)

प्र. 5 यदि खेलकूद कोष रू. 2,00,000 प्रारम्भिक है तथा इसे पृथक से 8 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर विनियोग कर रखा है तथा वर्ष के दौरान खेलकूद आयोजन पर रू. 15,000 व्यय हुए हों तो वर्ष के अन्त में चिट्ठे में दिखाई जाने वाली राशि होगी –

(अ) 2,01,000 रू. (ब) 1,99,000 रू.

(स) 1,85,000 रू. (द) 2,16,000 रू. (अ)

प्र. 6 यदि स्टेशनरी का प्रारम्भिक स्टॉक रू. 5,000; अंतिम स्टॉक रू. 3,000 वर्श के दौरान स्टेशनरी नकद खरीदी। रू. 20,000 इस व्यवहार को प्राप्ति व भुगतान खाते में किस प्रकार दिखाएंगे ?

(अ) भुगतान पक्ष में रू. 22,000 (ब) भुगतान पक्ष में रू. 20,000

(स) भुगतान पक्ष में रू. 28,000 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं (ब)

प्र. 7 आय–व्यय खाता बनाया जाता है –

(अ) अलाभकारी संस्थाओ द्वारा (ब) व्यापारिक संस्थाओं द्वारा

(स) निर्माणी संस्थाओ द्वारा (द) उपर्युक्त सभी के द्वारा (अ

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 8 एक क्लब ने भवन निर्माण हेतु चन्दे के 1,00,000 रू. दान के एकत्रित किये। क्लब की पुस्तकों मे भवन निर्माण हेतु दान की राशि को दिखाया जावेगा –

(अ) आय–व्यय खाते के डेबिट पक्ष में (ब) आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में

(स) चिट्ठे के सम्पति पक्ष में (द) चिट्ठे के दायित्व पक्ष में (द)

प्र. 9 चालू वर्ष में प्राप्त अग्रिम चन्दा है –

(अ) आय (ब) दायित्व

(स) व्यय (द) सम्पति (ब)

प्र. 10 सूचना के अभाव में प्रवेश शुल्क को दिखाया जाता है –

(अ) चिट्ठे में (ब) पूंजीकोष में जोड़कर

(स) आय–व्यय खाते में (द) सम्पति पक्ष में (स)

प्र. 11 एक गैर–व्यापारिक संस्था का पूंजी कोष होता है –

(अ) सम्पतियों का दायित्व पर आधिक्य (ब) दायित्वों का सम्पतियों पर आधिक्य

(स) आयगत प्राप्तियों का आयगत भुगतानों पर आधिक्य

(द) पूंजीगत प्राप्तियों का पूंजीगत भुगतानों पर आधिक्य (अ)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नः–

प्र. 1. अलाभकारी संस्थाओं की कोई दो विशेषताएं बताओ।

उत्तर 1. सेवा भावना 2. पृथक कानूनी अभिव्यक्ति।

प्र. 2. अलाभकारी संस्थाओं द्वारा रखी जाने वाली पुस्तकों के नाम लिखिए।

उत्तर 1. रोकड़ बही (Cash Book)

2. स्टॉक रजिस्टर (Stock Register)

3. सदस्यता रजिस्टर (Membership Register)

प्र. 3. अलाभकारी संस्थाओं द्वारा बनाए जाने वाले वित्तिय विवरण कौन–कौन से है ?

उत्तर 1. प्राप्ति एवं भुगतान खाता (Receipt & Payments Account)

2. आय–व्यय खाता (Income & Expenditure Account)

3. तुलन पत्र/चिट्ठा (Balance Sheet)

प्र. 4. अक्षय निधि कोष से आप क्या समझते है ?

उत्तर किसी विशिष्ट व्यय की पूर्ति हेतु दिये गये उपहार जिसकी मूल राशि का उपयोग कभी नहीं किया जा सकता केवल उनके विनियोग से प्राप्त राशि का ही उपयोग कर सकते है। ऐसी राशि अक्षय निधि कोष कहलाती है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 5 आय–व्यय खाते से आप क्या समझते है –

उत्तर आय–व्यय खाता गैर–व्यापारिक संस्थाओं की एक अवधि के क्रियाकलापों के आधार पर उक्त अवधि के परिणाम ज्ञात करने के लिए बनाया जाता है तथा जिसमें अन्तर के रूप में बचत या न्यूनता को दिखाया जाता है।

प्र. 6 ऐसी दो मदों के नाम लिखो जो प्राप्ति एवं भुगतान खाते में नहीं दिखाई जाती है।

उत्तर 1. बकाया चन्दा (Outstanding Subscription)

2. सम्पति ब्रिकी पर हानि (Loss on sale of Assets)

प्र. 7 यदि खेल आयोजन कोष रू. 50,000 हो तथा खेल आयोजन व्यय रू. 32,000 का हो तो आय–व्यय खाते व अन्तिम चिट्ठे में किस प्रकार दिखाऐंगे ?

उत्तर इस दशा में आय–व्यय खाते में कोई भी राशि नहीं दिखाई जाएगी जबकि अन्तिम चिट्ठे में दायित्व पक्ष में खेल आयोजन कोष में से खेल आयोजन व्यय घटाकर शेष राशि अग्रानुसार दिखाई जाएगी –

Balance Sheet as on……………

Liabilities	Amount	Assets	Amount
Tournament Fund 50,000 Less: Tournament Exp. <u>32,000</u>	<u>18000</u>		

प्र. 8 प्राप्ति एवं भुगतान खाता व रोकड़ बही में कोई अन्तर लिखों।

उत्तर

आधार	प्राप्ति एवं भुगतान खाता	रोकड बही
1. आधार	यह रोकड बही से बनाया जाता है।	यह प्रत्येक प्राप्ति व भुगतान की मद व बैंक व्यवहारों से बनाया जाता है।
2. तिथिवार	व्यवहार तिथिवार नहीं लिखते है।	व्यवहार तिथिवार लिखते है।

प्र. 9 गैर व्यापारिक संस्थाएँ किसे कहते है –

उत्तर **<u>गैर–व्यापारिक संस्थाएँ</u> –** वे संस्थाएँ जिनका मुख्य उद्ेश्य लाभ कमाना न होकर सार्वजनिक कार्य व जनसेवा करना होता है, गैर–व्यापारिक संस्थाएँ कहलाती है। जैसे–शिक्षण संस्थायें, औषधालय, पुस्तकालय, खेलकूद, क्लब आदि।

प्र. 10 प्राप्ति एवं भुगतान खाता क्या है ?

उत्तर प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड़ बही का सारांश होता है। यह एक स्मरणार्थ खाता होता है। इस खाते में वर्श के दौरान प्राप्तियों एवं भुगतानों को मदानुसार लिखा जाता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 11 पूंजी निधि से क्या आशय है ?

उत्तर अलाभकारी संस्थाओं का निर्माण पूंजी के साथ नहीं होता है। अतः ये संस्थाएं अपनी आय की बचत से स्थायी सम्पति प्राप्त कर पूंजी का निर्माण करती है, इसे ही संस्था की पूंजी निधि कहते है।

प्र. 12 ऐसी दो मदें बताइये जो प्राप्ति एवं भुगतान खाते मे दिखाई जाती है लेकिन आय–व्यय खाते में नहीं दिखाई जाती है।

उत्तर 1. विशिष्ट उद्वेश्य हेतु प्राप्त दान की राशि।

2. आजीवन सदस्यता शुल्क।

प्र. 13 आय–व्यय खाते को क्रेडिट शेष वर्श के अन्त में क्या प्रदर्शित करता है ?

उत्तर आय–व्यय खाते को क्रेडिट शेष वर्श के अन्त में आय के व्यय पर आधिक्य को अर्थात Surplus को प्रदर्शित करता है।

प्र. 14 एक क्लब का आय–व्यय खाता रू. 2000 बचत बताता है। इस खाते में अग्रिम वेतन के रू. 400 तथा अनुपार्जित आय (Unearned Income) रू. 1200 का समायोजन नहीं किया गया है। समायोजन के पश्चात् इस खाते का शेष होगा।

उत्तर क्लब का आय–व्यय खाता–

समायोजन से पूर्व बचत	2,000
+ अग्रिम वेतन	400
	2,400
– अनुपार्जित आय	1,200
समायोजन के पश्चाात् बचत	1,200

प्र. 15 आजीवन सदस्यता चन्दे से आपका क्या आशय है–

उत्तर आजीवन सदस्यता चन्दा सदस्य द्वारा स्थायी सदस्य बनने पर जीवन में एक बार गैर–व्यापारिक संस्था को चुकाया जाता है तथा यह चालू वर्श से सम्बन्धित न होकर संस्था के पूरे जीवनकाल से सम्बन्धित होता है।

प्र. 16 प्रवेश शुल्क क्या है ?

उत्तर गैर–व्यापारिक संस्थाओं द्वारा सदस्यों से उनके प्रथम बार प्रवेश के समय यह शुल्क प्राप्त किया जाता है। प्रश्न में स्पष्ट सूचना न होने पर इसे आयगत प्राप्ति मानकर आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दर्शाते है।

प्र. 17 किन्ही चार अलाभकारी संस्थाओं के नाम लिखें।

उत्तर 1. औषधालय

2. शिक्षण संस्थाएं

3. खेल परिषद्

4. पुस्तकालय

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 18 ऐसी दो मदें बताइये जो आय–व्यय खाते में दर्शायी जाती है, लेकिन प्राप्ति एवं भुगतान खाते में नहीं दिखायी जाती है।

उत्तर 1. चालू वर्ष के बकाया व्यय
2. चालू वर्ष की अर्जित एवं बकाया आय।

प्र. 19 पूंजीगत प्राप्ति को कहां दिखाया जाता है –

उत्तर पूंजीगत प्राप्ति को चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।

प्र. 20 एक संस्था के वर्ष 2020–21 के आय–व्यय खाते में वेतन की मद में रू. 40,000 दिखाये गये है। वर्ष 2020–21 के प्रारम्भ में वेतन के रू. 2,000 तथा अन्त में रू. 4,000 बकाया थे। वर्ष 2020–21 के प्राप्ति एवं भुगतान खाते में वेतन की मद में दिखायी जाने वाली राशि बताइये।

हल–

वेतन की कुल राशि		40,000
जोड़िये : 2020–21 के प्रारम्भ का बकाया वेतन	2,000	
	42,000	
घटाइये : 2020–21 के अन्त में बकाया वेतन	4,000	
उत्तर	38,000	

प्र. 21 जय क्लब का आय–व्यय खाता बनाते समय लेखापाल निम्न मदों का समायोजन करना भूल गया–
रू. 500 की उपार्जित आय, रू.400 का बकाया वेतन, रू. 100 का पूर्वदत्त किराया।
यदि क्लब का आय–व्यय खाता रू. 1,600 का घाटा बताता है, तो समायोजन के पश्चात् वास्तविक आधिक्य अथवा घाटा कितना होगा ?

उत्तर (1,600 + 500 – 400 + 100) = रू. 1,400 का घाटा

प्र. 22 एक क्लब का आय–व्यय खाता रू. 1,000 की बचत दिखलाता है। इस खाते में अग्रिम वेतन के रू. 200 तथा अनुपार्जित आय का रू. 600 का समायोजन नहीं किया गया है। समायोजन के बाद बचत की राशि ज्ञात कीजिए।

उत्तर रू. 600 (1000 + 200 – 600)

प्र. 23 गैर –व्यापारिक संस्थाओं के आय के कौन–कौन से साधन होते है।

उत्तर दान, चन्दा, फीस, सरकारी सहायता, पुराने समाचार पत्र व पत्रिकाओं की ब्रिकी आदि।

प्र. 24 एक धार्मिक संस्था की बहियों में वर्ष के प्रारम्भ में निम्नलिखित शेष थे –

स्थायी सम्पतियां	रू. 50,000
बैंक अधिविकर्ष	रू. 5,000
अग्रिम प्राप्त चन्दा	रू. 2,000
पूर्वदत्त किराया	रू. 1,000

संस्था की प्रारम्भिक पूंजी निधि/कोष की राशि ज्ञात कीजिए।

उत्तर प्रारम्भिक पूंजी निधि/कोष = कुल सम्पतियां – बाह्य दायित्व
= (50,000 + 1,000) – (5,000 + 2000)
= 51,000 – 7,000
= 44,000 रू.

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 25 निम्नांकित मदों को आय–व्यय खाते व चिट्ठे में दर्शाइये–

1.	वसीयत से प्राप्त राशि	50,000
2.	चालू वर्ष से प्राप्त चन्दा	25,000
3.	चालू वर्ष का बकाया चन्दा	5,000
4.	प्रवेश शुल्क 20,000 रू. (50% हिस्सा पूंजीगत माना जाये)	
5.	आजीवन सदस्यता शुल्क	40,000
6.	सामान्य दान प्राप्त किया	2,500

हल–

Income & Expenditure Account

Expenditure	Amount	Income	Amount
		By Subscription 25,000 Add: O/S Sub. For Current Year 5,000 By General Fees By General Donation	 30,000 10,000 2,500

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
Capital Fund Add: Legacy 50,000 Add: Entrance Fees 10,000 Add: Life Membership Fees 40,000	 1,00,000	O/s Subscription	 5,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

अध्याय :– 2 साझेदारी लेखांकन आधारभूत अवधारणाएँ

प्रश्न.1 साझेदारी विलेख क्या है ?

उत्तरः–एक ऐसा अभिलेख जिसमें साझेदारों की बीच सहमति के साथ शर्ते आदि समाहित होती है, साझेदारी विलेख कहलाता है।

प्रश्न.2 साझेदारी संलेख मे लिखी जाने वाली कोई 4 बातें लिखिए।

उत्तर :– साझेदारी संलेख मे लिखी जाने वाली कोई चार बातें निम्न है :–

1. फर्म का नाम, साझेदारों के नाम व पत्ते तथा साझेदारी की अवधि आदि
2. साझेदारों के मध्य लाभ–हानि के विभाजन का अनुपात
3. साझेदारों को पूंजी पर देय ब्याज के सम्बन्ध में प्रावधान
4. साझेदार/साझेदारों को वेतन,बोनस,कमीशन फीस आदि(यदि देय हो) का उल्लेख

प्रश्न.3 साझेदार को लाभ का आश्वासन या गारण्टी यह कितने प्रकार की हो सकती है।

उत्तर :– 1. फर्म द्वारा गारण्टी 2. किसी एक साझेदार द्वारा गारण्टी

3. साझेदार द्वारा फर्म को गारण्टी

4.साझेदार द्वारा फर्म को और फर्म द्वारा साझेदार को एक साथ गारण्टी।

प्रश्न.4 साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाली 4 नियम बताइए।

या

साझेदारी संलेख के अभाव मे लागू होने वाले भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 में दिए गए कोई चार प्रावधान बताइए।

उत्तर :– 1. प्रत्येक साझेदार को फर्म के व्यापार तथा प्रबन्धन में भाग लेने का अधिकार

2. किसी भी साझेदार को अपनी सेवाओं के बदले वेतन,कमीशन अथवा अन्य कोई पारिश्रमिक देय नहीं होगा।
3. समस्त साझेदारों के बीच लाभ–हानि समान अनुपात में बाँटा जाएगा।
4. साझेदारों के ऋणों पर ब्याज 6 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज दिया जाएगा।
5. साझेदारों को पूंजी पर ब्याज नहीं दिया जाएगा तथा नहीं आहरण पर वसूल किया जायेगा।

प्रश्न.5 भारतीय साझेदारी अधिनियम कब लागू हुआ व इसकी विशेषताएं लिखिए।

उत्तर :– भारतीय साझेदारी अधिनियम 1 अक्टुम्बर 1932 को लागू हुआ। इसकी निम्नांकित विशेषताएं है :–

1. दो या दो से अधिक व्यक्ति को होना
2. साझेदारों के मध्य समझौता होना
3. लाभों का विभाजन 4. व्यवसाय का होना 5. असीमित दायित्व
6. पृथक अस्तित्व नहीं 7. व्यवसाय का संचालन सभी के द्वारा या उन सबकी और से किसी एक द्वारा किया जा सकता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न.6 साझेदारी के विभिन्न प्रकार लिखिए।

उत्तर :– 1.दायित्व के आधार पर साझेदारी

(1) सीमित साझेदारी दायित्व (2) असीमित साझेदारी दायित्व

2. वैधता के अनुसार साझेदार

(1) वैध साझेदारी (2) अवैध साझेदारी

3. उद्देश्यानुसार साझेदारी

(1) ऐच्छिक साझेदारी (2) विशेष साझेदारी

4. समयानुसार साझेदारी

(1) निश्चित कालीन (2) अनिश्चितकालीन

प्रश्न.7 साझेदारो के पूंजी खाते बनाने की दो विधियों के नाम लिखिए।

उत्तर :– साझेदारों की पूंजी खाते बनाने की दो विधियों के नाम निम्न है :–

1. स्थिर (अपरिवर्तनशी) पूंजी खाता विधि
2. अस्थिर पूंजी परिवर्तनशील पूंजी खाता विधि

प्रश्न. 8 जबकि पूंजी स्थिर हो तो फर्म की पुस्तकों में खोले जाने वाले दो खातों के नाम लिखिए।

उत्तर :– स्थिर पूंजी या अपरिवर्तनशील पूंजी खाता विधि में निम्न दो खाते खोलते है।

1. साझेदारों के पूंजी खाते 2. साझेदारों के चालू खाते

प्रश्न.9 पूंजी को घटाने वाली मदें लिखिए।

उत्तर :– आहरण,आहरण पर ब्याज,स्थाई रूप से निकाली पूंजी, व्यापार में होने वाली हानि।

प्रश्न.10 साझेदारो के चालू खातों के डेबिट शेष व क्रेडिट शेष को कहां प्रदर्शित करते है ?

उत्तर :– 1. चालु खाते के डेबिट शेष को ,चिट्ठे (तुलन पत्र) के सम्पति पक्ष में दिखाया जाता है।

2. चालु खाते के क्रेडिट शेष को चिटठे(तुलन पत्र) के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।

प्रश्न.11 लाभों पर प्रभार की तीन मदें बताइए।

उत्तर :– लाभों पर प्रभार वाली मदें

1. साझेदार के ऋण पर ब्याज 2. फर्म के भवन का किराया
3.मैनेजर का देय कमीशन

प्रश्न.12 लाभ हानि नियोजन खाते से आप क्या समझते है ?

उत्तर :– किसी साझेदारी फर्म के लाभों के विभाजन को प्रदर्शित करने हेतु बनाये गये खाते को लाभ हानि नियोजन खाता कहते है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न.13 साझेदारों को पूंजी पर ब्याज किस शेष पर दिया जाता है ?
उत्तर :– साझेदारों को पूंजी पर ब्याज उनके पूंजी खाते के प्रारम्भिक शेष पर दिया जाता है।

प्रश्न.14 समझोते के अभाव में साझेदारों द्वारा फर्म को दिये गये ऋण पर कितना ब्याज देय होगा ?
उत्तर :– 6 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज देय होगा।

प्रश्न.15 चालू खाते के क्रेडिट पक्ष में आने वाली दो मदें बताइए।
उत्तर :– 1.पूंजी पर ब्याज 2. साझेदारों को वेतन अथवा कमीशन

प्रश्न 16 लाभ हानि विनियोग खाता से आप क्या समझते है ?
उत्तर :– साझेदारों के बीच लाभ व हानि का वितरण लाभ हानि विनियोग खाते के माध्यम से दर्शाया जाता है जो कि केवल लाभ एवं हानि खाते का विस्तार मात्र होता है। यह प्रकट करता है कि साझेदारों के बीच लाभ को कैसे विनियोजित या विभाजित किया जाता है। इसके अन्तर्गत ब्याज के साथ पूंजी तथा साझेदारों के लिए अनुमत वेतन एवं कमीशन को नाम किया जाता है और निवल लाभ एवं हानि तथा आहरणों पर ब्याज को जमा किया जाता है। साझेदारों के बीच लाभ हानि के शेष को लाभ विभाजन अनुपात में वितरित किया जाता है और उनके पूंजी खातों में हस्तातंरित कर दिया जाता है।

प्रश्न. 17 लाभ व हानि समायोजन खाता क्यों तैयार किया जाता है या कब खोला जाता है ?
उत्तर :–यदि साझेदारी फर्म के खातों को बन्द करने के पश्चात् कोई त्रुटि अथवा मूल ध्यान मे आती है जो साझेदारो से सम्बन्धित है जैसे पूंजी पर ब्याज, आहरणों पर ब्याज,साझेदारों का वेतन,कमीशन आदि तो इनका समायोजन करने के लिये लाभ–हानि समायोजन खाता खोला जाता है जो कि इस त्रुटि का संशोधन है।

प्रश्न.18 किसी साझेदार को लाभ की गारंटी या आश्वासन से क्या तात्पर्य है ?
उत्तर :– कभी कभी फर्म के हित मे किसी ऐसे व्यक्ति को साझेदार बना लिया जाता है , जो किसी क्षेत्र विशेष में विशिष्ट योग्यता रखता है। ऐसा साझेदार न्यूनतम लाभ के सम्बन्ध में पुराने साझेदारों से आश्वासन चाहता है ,ताकि उसे भविष्य में किसी प्रकार की हानि न हो। इसे ही लाभ की गारण्टी या आश्वासन कहते है। यह गारण्टी चार प्रकार की हो सकती है।

प्रश्न.19 आशुतोष ने साझेदारी फर्म से वर्ष 2021 के दौरान प्रत्येक माह की अन्तिम तिथि को 500 रू. का आहरण किया। कुल आहरण पर 12 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज होगा।
उत्तर :– (अ) 330 रू. (ब) 360 रू. (स) 390 रू. (द) 720 रू. (अ)

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न.20 साझेदारी के चालू खाते खोले जाते हे जब पूंजी खाते निम्न विधि से रखे गए हो

(अ) स्थिर पूंजी विधि (ब) अस्थिर (परिवर्तनशील) पूंजी विधि

(स) स्तम्भाकार विधि (द) अपूर्ण लेखा विधि (अ)

प्रश्न.21 यदि अन्तिम पूंजी दी गयी हो तो प्रारम्भिक पूंजी की गणना किस प्रकार की जाती है?

उत्तर :– अन्तिम पूंजी...................................

जोडीये ....आहरण

घटायें...................................चालु वर्ष का लाभ

=प्रारम्भिक पूंजी.................................

CBEO BHINDER UDAIPUR

अध्याय :– 3 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन :साझेदार का प्रवेश

प्रश्न. 1 साझेदारी फर्म के पुनर्गठन से क्या आशय है ?

उत्तर :–साझेदारों के बीच विद्यमान समझौते में किसी प्रकार का परिवर्तन, साझेदारी फर्म का पुनर्गठन कहलाता है।

प्रश्न.2 उन मदों की पहचान कीजिए जिनके संदर्भ में प्रवेश के समय समायोजन किया जाता है

उत्तर :– नये साझेदार के प्रवेश पर मुख्य समायोजन या मद या समस्याएं निम्नलिखित है :–

1. नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना
2. त्याग अनुपात की गणना
3. ख्याति का मूल्यांकन व लेखांकन
4. सम्पतियों का पुनः मूल्यांकन व दायित्वों का पुन निर्धारण
5. संचय,अवितरित लाभो व हानियों का समायोजन
5. पूंजी का समायोजन

प्रश्न.3 ''त्याग के अनुपात'' से आप क्या समझते है ?

उत्तर :–नये साझेदार अथवा साझेदारों के फर्म में प्रवेश करने पर पुराने साझेदारों द्वारा अपने लाभों में से जिस अनुपात में हिस्सा दिया जाता है, वह त्याग का अनुपात कहलाता है।

प्रश्न.4 एक नये प्रवेशित साझेदार द्वारा प्राप्त अधिकार लिखिये।

उत्तर :– नये साझेदार को निम्न दो अधिकार प्राप्त होते है :–

1. फर्म की सम्पतियों में हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार
2. फर्म के भावी लाभों में हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार
3.

प्रश्न.5 अधिलाभ व औसत लाभ में एक अन्तर बताइये ?

उत्तर :– औसत लाभ गत वर्षो के लाभों के योग मे सम्बन्धित वर्षो की संख्या का भाग देकर ज्ञात किया जाता है जबकि अधिलाभ की गणना औसत लाभ में से सामान्य लाभ को घटाकर की जाती है।

प्रश्न.6 कोई दो परिस्थितियों बताइए जिनमे त्याग का अनुपात ज्ञात करना पड़ता है ?

उत्तर :– 1. जब नये साझेदार का अनुपात दिया हो परन्तु पुराने साझेदारों द्वारा किए गए त्याग के सम्बन्ध में कोई उल्लेख न हो

2.जब पुराने साझेदारों का पुराना अनुपात तथा सभी साझेदारों का नया अनुपात दिया हुआ हो।

प्रश्न.7 ख्याति से क्या आशय है? इसके मूल्य को प्रभावित करने वाले घटक लिखिये।

उत्तर :– ख्याति एक अदृश्य सम्पति है जिसका वर्णन करना सरल हे लेकिन परिभाषा देना कठिन है। यह व्यवसाय के अच्छे नाम,प्रतिष्ठा एवं सम्बन्धों से मिलने वाला लाभ है, यह वह आकर्षण शक्ति है जो ग्राहकों को लाती है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

ख्याति को प्रभावित करने वाले घटक निम्न है :–

1. व्यवसाय का स्वरूप 2. स्थान
3. प्रबन्ध निपुणता 4. बाजार की स्थिति 5. विशेष लाभ

प्रश्न.8 ख्याति के मूल्यांकन की प्रमुख विधियों के नाम लिखिए।

उत्तर :– ख्याति के मूल्यांकन की प्रमुख विधियां निम्न है :–

1. <u>वर्षो की क्रयविधि</u>

i. औसत लाभ आधार ii. अधिलाभ आधार

अ. सरल औसत लाभ

ब. भारित औसत लाभ

2. <u>पूंजीकरण विधि</u>

i. औसत लाभों की पूंजीकरण विधि ii. अधिलाभों की पूंजीकरण विधि

3. गुप्त(छिपी हुई) या अनुमानित ख्याति विधि

4. क्रय प्रतिफल विधि 5. वार्षिक विधि।

प्रश्न.9 अवितरित लाभ से क्या आशय है ?

उत्तर :–प्रायः नये साझेदार के प्रवेश के समय फर्म की पुस्तकों में अनेक अवितरित लाभ विद्यमान रहते है। यह वे लाभ होते है जिन्हें पुरानी फर्म द्वारा अर्जित किये गये तथा उन्हें फर्म में ही रख लिया गया था अर्थात उन्हें साझेदारों के पूंजी खातों में क्रेडिट नहीं किया गया था। जैसेः–सामान्य संचय,संचय कोष,लाभ–हानि खाते का क्रेडिट शेष, संदिग्धताओं हेतु संचय।

प्रश्न.10 लेखा मानक – 26 को समझाइये।

उत्तर :– आई.सी.ए. आई ने 1 जुलाई 2003 को अदृश्य सम्पतियों के लेखाकंन के लिए लेखांकन मानक 26 लागू किया। 26 के अनुसा ख्याति को पुस्तकों में स्पष्ट रूप से तभी दिखाया जायेगा जबकि उसे क्रय करने हेतु मुद्रा में अथवा मुद्रा के समकक्ष कोई प्रतिफल चुकाया गया हो। अन्यथा ख्याति की राशि से केवल समायोजन प्रविष्टि ही करनी चाहिए।

प्रश्न.11 पुनः मूल्यांकन खाता किस प्रकार का खाता है ?

उत्तर :– पुन मूल्यांकन खाता नाम–मात्र खाते की प्रकृति का होता है। नये साझेदार के प्रवेश पर सम्पतियों व दायित्वों में पुस्तक मूल्यों में परिवर्तन करने के लिए यह खाता खोला जाता है।

प्रश्न.12 एक फर्म की सम्पतियों व दायित्वों का निम्न प्रकार पुनमूल्यांकन किया गाया :– स्टोक 15000 रू. से कम किया गया। भवन जिसका मूल्य 37000 रू. था, अब 45000 रू. पर मूल्यांकित किया गया। फर्म के विरूद्ध एक हर्जाने के दावे के सम्बन्ध में 2500 रू. चुकाये। पुन मूल्यांकन पर हुए लाभ या हानि की राशि ज्ञात करो।

उत्तर :– 9500 रू.(हानि)

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न.13 पूंजी का समायोजन से आप क्या समझते है ?

उत्तर :– साझेदार के प्रवेश के समय ,साझेदार लाभ विभाजन अनुपात के आधार पर अपनी पूंजी के समायोजन के लिए सहमत होते है। ऐसी स्थिति में यदि नए साझेदार की पूंजी दी गई है तो उसके आधार पर पुराने साझेदारों की नयी पूंजी की गणना की जाती है। ख्याति,संचय और परिसम्पतियों और दायित्वों का मूल्यांकन आदि के सभी समायोजनो के पश्चात् निर्धारित की गई पूंजी की तुलना पूरानी पूंजी से की जाती है। यदि किसी साझेदार की पूंजी कम होती है तो वह कमी को पूरा करने के लिए आवश्यक राशि लेकर आयेगा और जिस साझेदार की राशि अधिक होगी वह पूंजी की अधिक राशि को निकाल कर ले जाएगा।

प्रश्न. 14 परिसम्पतियो का पुनमूल्यांकन और दायित्वों का पुननिर्धारण किस प्रकार किया जाता है ?

उत्तर :– परिसम्पतियों का मूल्य अधिक होगा या कम होगा।इनका पुनमूल्यांकन किया जायेगा। इसी प्रकार दायित्वों का पुनः निर्धारण भी किया जाएगा जिससे पुस्तकों में इनका उनके सही मूल्य पर लाया जा सके। तथा कुछ गैर–अभिलेखित परिसम्पतियां एवं दायित्व भी फर्म में हो सकते हैं ।इनको भी फर्म की लेखा पुस्तकों में लाना होगा। इस उद्देश्य के लिए फर्म पुनमूल्यांकन खाता तैयार करती है।

प्रश्न.15 पुनमूल्यांकन खाता किस प्रकार तैयार किया जाता है ?

उत्तर :– प्रत्येक परिसम्पति या दायित्व पर लाभ या हानि को इस खाते में हस्तांतरित किया जाता है तथा अन्त में इसके शेष को पुराने साझेदारों के पूंजी खातों में उनके पुराने लाभ–विभाजन अनुपात में हस्तातंरित करते है।

दुसरे शब्दों में पुनमूल्यांकन खाते को प्रत्येक परिसम्पति के मूल्य में वृद्धि पर तथा दायित्व में कमी होने पर जमा किया जायेगा क्योंकि यह एक अधिलाभ है और परिसम्पति के मूल्य में कमी तथा दायित्व में वृद्धि होने पर नाम किया जायेगा क्योंकि यह एक हानि है।

इसी प्रकार गैर अभिलेखित सम्पतियां जमा तथा गैर अभिलेखित दायित्वों को पुनमूल्यांकन खाते में नाम पक्ष में किया जायेगा।

यदि पुन मूल्यांकन खाता अंत में जमा शेष दर्शाता है तो वह निवल लाभ यदि नाम शेष दर्शाता है तो वह निवल हानि है। जिसको कि पुराने साझेदारों में उनके लाभ विभाजन अनुपात में हस्तातंरित किया जायेगा।

प्रश्न. 16 साझेदार के प्रवेश के समय परिस्थितियों और दायित्वों के पुनमूल्यांकन की आवश्यकता क्यों होती है ?

उत्तर :– नया साझेदार फर्म में प्रवेश करने की तिथि से पूर्व सम्पतियों व दायित्वों के मूल्यों में परिवर्तन के कारण हानि के लिए न तो उत्तरदायी होती है और न लाभों में भागीदार हो सकता है। सम्पतियों व दायित्वों के पुनमूल्यांकन पर यदि लाभ है तो पुराने साझेदार इस लाभ में नये साझेदार को भागीदार नहीं बनने देंगे तथा हानि होने पर

CBEO BHINDER UDAIPUR

नया साझेदार ऐसी हानि में भागीदार नहीं बनना चाहेगा अतः इस समस्या के समाधान हेतु पुनमूल्यांकन की आवश्यकता होती है।

प्रश्न. 17 किन अवसरों पर त्याग अनुपात का प्रयोग होता है ?
उत्तर :— निम्नांकित अवसरों पर त्याग अनुपात प्रयोग होता है।

1. जब साझेदारी फर्म के सभी विद्यमान साझेदार अपना लाभ विभाजन अनुपात बदलने को सहमत होते है।
2. जब साझेदारी फर्म में किसी नये साझेदार को प्रवेश दिया जाता है और उसके द्वारा ख्याति की रकम लाई जाती है जो पुराने साझेदारों में उनके त्याग के अनुपात में बांटी जाती है।

प्रश्न.18 अ और ब एक फर्म में 3:2 के अनुपात में साझेदार है स के प्रवेश के बाद इनका लाभ—हानि अनुपात 7:3:10 हो जाता है। अ और ब का त्याग अनुपात होगा।
उत्तरः— (अ) 1:1 (ब) 3:2 (स) 2:3 (द) 7:3 (अ)

प्रश्न.19 फर्म की पुस्तकों में ख्याति खाता रू. 10,000 विद्यमान है। C को $\frac{1}{3}$ हिस्से हेतु ख्याति की राशि रू. 6000 नकद लेकर प्रवेश दिया गया। नये तुलन पत्र में ख्याति की राशि दिखाई जायेगी।
उत्तरः— (अ) 4000रू. (ब) 6000रू. (स) 16000रू. (द) शुन्य (द)

प्रश्न.20 अधिलाभ के आधार पर ख्याति के मूल्यांकन की कोई दो विधियों के नाम लिखिए।
उत्तर :— 1. वर्षो के क्रय के आधार पर 2. पूंजीकरण विधि

प्रश्न.21 जब एक नया साझेदार साझेदारी फर्म में प्रवेश करता है तो फर्म की सम्पति एवं लाभ में हिस्सा प्राप्त करने के लिए जो राशि लाता है उसे क्या कहते है ?
उत्तर :— 1.सम्पति में हिस्सा प्राप्त करने की लिए = पूंजी
2. लाभ में हिस्सा प्राप्त करने के लिए = ख्याति

प्रश्न.22 संचित लाभों का बँटवारा कौनसे साझेदारों में किया जाता है ?
उत्तर :— पुराने साझेदारों में

प्रश्न.23 पुराने तथा नये अनुपात का अन्तर कौनसा अनुपात है ?
उत्तर :— त्याग का अनुपात।

प्रश्न.24 अधिलाभों की पूंजीकरण विधि का सूत्र लिखिए।
उत्तर :— अधिलाभों की पूंजीकरण विधि का सूत्र = अधिलाभ × 100 / सामान्य प्रत्याय दर

CBEO BHINDER UDAIPUR

भाग – 2

अध्याय – 1 अंश पूंजी के लिए लेखांकन

प्र न 1. कम्पनी की परिभाषा दीजियें ?

उत्तर– एक कम्पनी से आशय है वह कम्पनी जो कि कम्पनी अधिनियम के अर्न्तगत या किसी अन्य पूर्व कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत समायोजित या पंजीकृत हो।

प्र न 2. कम्पनी की कोई चार विशेषताएं लिखिए।

उत्तर– 1. पृथक वैधानिक अस्तित्व 2. सीमित दायित्व 3. स्थायी उत्तराधिकार 4. सार्व मूद्रा

प्र न 3. दायित्व के आधार पर कम्पनी के प्रकार लिखिए।

उत्तर – 1. अंशो द्वारा सीमित कम्पनी। 2. गारण्टी द्वारा सीमित कम्पनी 3. असीमित कम्पनी

प्र न 4. सदस्यों की संख्या के आधार पर कम्पनी के प्रकार लिखिए।

उत्तर– 1. सार्वजनिक कम्पनी 2. निजी कम्पनी 3. एकल व्यक्ति कम्पनी

प्र न 5. अंशधारी किसे कहते है ?

उत्तर – जिन व्यक्तियों के पास कम्पनी के अंश होते है वे व्यक्ति अंशधारी कहलाते है।

प्र न 6. अधिकृत पूंजी किसे कहते है ?

उत्तर – कम्पनी की अंश पूंजी की वह राशि है जो कि कम्पनी के सीमा पार्षद नियम के द्वारा निर्गमित करने हेतु अधिकृत है।

प्र न 7 निर्गमित पूंजी किसे कहते है ?

उत्तर– अधिकृत पूंजी का वह भाग जिसे जनता को अंश अभिदान के जए वास्तविक रूप से प्रस्तावित किया जाता है, उसे निर्गमित पूंजी कहते है।

प्र न 8. प्रदत्त पूंजी किसे कहते है?

उत्तर – यह मांगी गई पूंजी का वह भाग है जो कि अंशधारियों से वास्तव में प्राप्त कर लिया गया है।

प्र न 9.आयाचित पूंजी किसे कहते है ?

उत्तर–अभिदत्त पूंजी का वह भाग जो कि अभी तक मांगा जाना बाकी है।

प्र न 10. आरक्षित पूंजी किसे कहते है ?

उत्तर– एक कम्पनी द्वारा अयाचित पूंजी का एक भाग जो केवल कम्पनी के समापन की दशा के जिए आरक्षित किया जाता है।

प्र न 11. अंश कितने प्रकार के होते है ? इनके नाम लिखिए।

उत्तर– अंश दो प्रकार के होते है – 1. समता अंश 2. अधिमानी अंश/पूर्वाधिकार अंश

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न 12 समता अंश किसे कहते है ?

उत्तर– वह अंश जो कि लाभांश के भुगतान या पूंजी के पुनः भुगतान के सम्बन्ध में कोई अधिकार नही रखता समता अंश कहलाता है।

प्र न 13.अधिमानी अंश किसे कहते है ?

उत्तर – वे अंश जो एक निश्चित दर पर समता अंश धारियों से पूर्व लाभांश प्राप्त करते है। एवं कम्पनी के समापन पर समता अंशधारियों से पूर्व पूंजी प्राप्त करने का अधिकार रखते हो।

प्र न 14 कम्पनी के वास्तविक स्वामी कौन होते है ?

उत्तर –कम्पनी के वास्तविक स्वामी समता अंशधारी होते है।

प्र न 15 कम्पनी अंश आवेदन की राशि किसके माध्यम से प्राप्त करती है।

उत्तर– कम्पनी अंश आवेदन की राशि बैंक के माध्यम से प्राप्त करती है।

प्र न 16.कम्पनी को न्यूनतम अभिदान कितनी अवधि में पूरा करना होता है ?

उत्तर– कम्पनी के न्यूनतम अभिदान प्रविविरण जारी होने के 120 दिन के भीतर प्राप्त करना होता है।

प्र न 17. अंशो का आवंटन कब होता है ?

उत्तर– कम्पनी को न्यूनतम अभिदान प्राप्त हो चुका है, तो एक कम्पनी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के पश्चात् अंशों का आवंटन की प्रक्रिया कर सकती है।

प्र न 18. अंश आवेदन राशि प्राप्त करने पर कम्पनी अपनी लेखा पुस्तकों में क्या प्रविष्टी करेगी ?

बैकं खाता नाम

अंश आवेदन खाते से

प्र न 19. अंश आवेदन राशि को अंश पूंजी खाते में हस्तान्तरीत करने पर कम्पनी अपनी पुस्तकों में क्या प्रविष्ठी करेगी ?

अंश आवेदन खाता नाम

अंश पूंजी खाते से

प्र न 20. अस्वीकृत आवेदन पत्रों की राशि वापस लौटाने पर क्या प्रविष्ठी कम्पनी अपनी लेखा पुस्तकों मे करेगी ?

अंश आवेदन खाता नाम

बैंक खाते से

प्र न 21. .आवंटन पर देय राशि के लिए कम्पनी अपनी लेखा पुस्तकों में क्या प्रविष्ठी करेगी

अंश आबटंन खाता नाम

CBEO BHINDER UDAIPUR

अंशपूंजी खाते से

प्र न 22. अधिक आवेदन राशि को बंटन या समायोजन करने के लिए कम्पनी अपनी लेखा पुस्तकों में क्या करेगी

अंश आवेदन खाता नाम
अंश आवेदन खाते से

प्र न 23 आबंटन राशि को प्राप्त करने पर कम्पनी अपनी लेखा पुस्तको में क्या प्रविष्ठी करेगी ?

बैंक खाता नाम

अंश आबंटन खाते में

प्र न 24 आबंटन राशि को प्राप्त करने पर कम्पनी अपनी लेखा पुस्तकों में क्या प्रविश्ठी करेगी

बैंक खाता नाम

अंश आवेदन एवं आबंटन खाते से

प्र न 25 अंशो की मांग राशि देय होने पर कम्पनी अपनी लेखा पुस्तकों मे क्या प्रविष्ठी करेगी ?

अंश मांग खाता नाम

अंश पूंजी खाते से

प्र न 26 मांग राशि प्राप्त होने पर कम्पनी अपनी लेखा पुस्तको में क्या प्रपिश्ठी करेगी ?

बैंक खाता नाम

अंश मांग खाते से

प्र न 27. बकाया मांग किसे कहते है ?

उत्तर– जब कोई अंशधारी मॉगी आबंटन राशि या मॉग राशि का भाग देय तिथि तक नही चुका पाता है तो ऐसी राशि को बकाया मांग कहते है।

प्र न 28. 'सारणी एफ'' के अनुसार बकाया मॉग पर अधिकतम कितने प्रतिशत वार्शिक ब्याज वसूला जा सकता है ?

उत्तर– 'सारणी एफ'' के अनुसार बकाया मॉग पर अधिकतम 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज वसूला जा सकता है।

प्र न 29. अग्रिम मॉग किसे कहते है ?

उत्तर– कभी–कभी कुछ अंशधारी कम्पनी के द्वारा मॉग राशि से पूर्व की मांग राशि का भुगतान कर दिया जाता है उसे अग्रिम मांग कहा जाता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न 30. 'सारणी–एफ़'' के अनुसार अग्रिम मॉग पर अधिकतम कितने प्रतिशत ब्याज अंशधारी को दिया जा सकता है ?

उत्तर– 'सारणी–एफ़'' के अनुसार अग्रिम मॉग पर अधिकतम 12 प्रतिशत ब्याज अंशधारी को दिया जा सकता है।

प्र न 31. अधि–अभिधान से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर– जब कम्पनी को जनता में विर्गर्मित अंशो से अधिक अंशो के लिए आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो ऐसी स्थिति को अधि–अभिदान कहा जाता है।

प्र न 32. प्रो–राटा (यथा अनुपात) आबंटन किसे कहते है ?

उत्तर– अधि–अभिदान की स्थिति में जब संचालक सभी आवेदको को आनुपातिक बंटन कर देते है ऐसी स्थिति को प्रो–राटा आबंटन कहते है।

प्र न 33.अंशो का न्यून अभिदान से क्या आशय है?

उत्तर– न्यून अभिदान एक ऐसी स्थिति है जब अभिदान के लिए आमन्त्रित किये गए अंशो से कम अंशों के आवेदन प्राप्त होते है।

प्र न 34. अंशो का अधि–मूल्य या प्रीमियम पर निर्गमन का क्या आशय है ?

उत्तर– जब अंश अपने अंकीत मूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गर्मित किये जाते है तो इस स्थिति को अंशो का प्रीमियम पर निर्गमन कहलाता है।

प्र न 35. अंशो का अधिःमुल्य या प्रीमियम पर राशि को स्थिति विवरण से कहॉ और किस मद में दर्शाया जाता है ?

उत्तर– कम्पनी के स्थिति विवरण में समता एवं दायित्व पक्ष में ''आरक्षित और आधिक्यि'' मद से दर्शाया जाता है।

प्र न 36. आवेदन राशि के साथ अधिमूल्य (प्रीमियम) की राशि मॉगे जाने पर कम्पनी की लेखा पुस्तकों में क्या प्रविश्ठी होगी ?

उत्तर– (अ) बैंक खाता नाम

अंश आवेदन खाते से

(आवेदन अंश की राशि प्रीमियम सहीत प्राप्त)

(ब) अंश आवेदन खाता नाम

अंश पूंजी खाते से

प्रीमियम खाते से

(आवेदन राशि को पूंजी खाते और प्रीमियम में हस्तान्तरीत)

प्र न 37. रोकड के अतिरिक्त प्रतिफल के रूप में अंशो का निर्गमन क्या है ?

उत्तर– कम्पनी द्वारा कोई सम्पति खरीदी जाती है उसका भुगतान नकद में नही करके अशों के रूप में कर दिया जाता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न 38. अंशो का निर्गमन किन–किन मूल्यों पर किया जाता है ?
उत्तर– अंशो का निर्गमन 1. सम मूल्य पर 2. अधि–मूल्य पर 3. बट्टे पर (हरण की स्थिति में)

प्र न 39. अंशो के तरण से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर– कुछ अंश धारक एक या अधिक किश्तो का भुगतान करने में असफल रहते है तो कम्पनी के अर्न्तनियमों के प्रपद्यानानुसार इन अंशो को कम्पनी जब्त कर लेती है।

प्र न 40. हरण किये गये अंशो का पुनः निर्गमन से क्या आशय है ?

उत्तर– हरण किये गये अंशों को संचालक पुनः सम मूल्य पर, अधिमूल्य, बट्टे पर निर्गमित कर देने से है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र न 1. सार्वजनिक कम्पनी क्या है ?

उत्तर– सार्वजनिक कम्पनी से आशय एक ऐसी कम्पनी से है जो

1. एक निजी कम्पनी नहीं है।
2. एक कम्पनी जो निजी कम्पनी की सहायक कम्पनी नही है।
3. अंश हस्तान्तरण पर रोक नही लगाती है।

प्र न 2. अंश पूॅजी को तुलन–पत्र में किस प्रकार दर्शाया जाता है ?

उत्तर– अंश पूॅजी को तुलन–पत्र में समता एवं दायित्व पक्ष में दर्शाया जाता है जो निम्न है।

समता एवं दायित्व पक्ष	AMOUNT राशि
अंश पूॅजी	
1. अधिकृत अथवा पंजीकृत अथवा प्राधिकृत पूॅजी 400000 समता अंश 10 रूपये	40,00,000
2. निर्गमित पूॅजी 2,00,000 समता अंश प्रति अंश 10 रू.	20,00,000
3. अभिदत्त पूॅजी अभिदत्त परन्तु पूर्ण प्रदत नही 200000 समता अंश प्रति अंश 10 रूपये 8 रूपये घटाया – बकाया मांग 16,00,000 6,000	15,94,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न 3. ईस्टर्न कम्पनी लिमिटेड ने 10 रूपये प्रत्येक की राशि के 40,000 अंश जनता के अंश पूॅजी के लिए निर्गमित किए इन पर देय राशियॉ निम्नानुसार है। आवेदन पर 4 रूपये, आबंटन पर 3 रूपये और शेष राशि प्रथम तथा अन्तिम मांग पर। 40,000 अंशो के लिए आवेदन प्राप्त किए गये। कम्पनी ने आवेदको को समस्त आबंटन कर दिया। आबंटन तथा प्रथम और अन्तिम मॉग पर देय राशि को प्राप्त कर लिया गया। कम्पनी की पुस्तकों में रोजनामचा में लेन–देन प्रलेखित करे।

ईस्टर्न कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम अंश आवेदन खाते से (40,000 अंशो पर 4 रू. प्रति अंश आवेदन राशि प्राप्त की)		1,60,000	1,60,000
	अंश आवेदन खाता नाम अंश पूॅजी खाते से (अंश आवेदन राशि को पूॅजी खाते मे हस्तान्तरीत करने)		1,60,000	1,60,000
	अंश आबंटन खाता नाम अंश पूॅजी खाते से (40,000 अंशो पर 3 रू. प्रति अंश आबंटन राशि देय)		120,000	1,20,000
	बैंक खाता नाम अंश आबंटन खाते से (आवेदन राशि प्राप्त होने पर)		1,20,000	1,20,000
	अंश प्रथम एवं अन्तिम मॉग खाता नाम अंश पूॅजी खाते से (40,000 अंशो पर प्रथम मॉग देय होने पर)		1,20,000	1,20,000
	बैंक खाता नाम अंश प्रथम एवं अन्तिम मॉग खाते से (40,000 अंशो की प्रथम मॉग प्राप्त होने पर)		1,20,000	1,20,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न 4. कोनिक लिमिटेड ने 10,000 समता अंश जो कि 10 रूपये प्रत्येक है, निर्गमित किये गये इन पर देय राशिया इस प्रकार है

आवेदन पर 2.50रू. आबंटन पर 3.00रू., प्रथम मांग पर 2.00रू., तथा शेष राशि द्वितीय एवं अन्तिम मांग पर। सभी अंशों पर पूर्ण रूप से अभिदान स्वीकार किया गया सिवाय एक अंशधारी के जिसने 100 अंशों के लिए आवेदन किया लेकिन द्वितीय एवं अन्तिम मॉग राशि का भुगतान नहीं किया। इस लेन–देन के सन्दर्भ मे रोजनामचा प्रविष्ठि करे।

कोनिक लिमिटेडं

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से (10,000 अंशो पर 2.50 रू. प्रति अंश आवेदन राशि प्राप्त की)		25,000	25,000
	समता अंश आवेदन खाता नाम अंश पूॅजी खाते से (आवेदन राशि को समता अंश पूॅजी खाते मे हस्तान्तरीत)		25,000	25,000
	समता अंश आबंटन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (10,000 अंशो पर 3 रू. प्रति अंश आबंटन राशि देय)		30,000	30,000
	बैंक खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से (आवेदन राशि प्राप्त होने पर)		30,000	30,000
	समताअंश प्रथम मॉग खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (10,000 अंशो पर प्रथम मॉग देय होने पर)		20,000	20,000
	बैंक खाता नाम समता अंश प्रथम मॉग खाते से (प्रथम मॉग की राशि प्राप्त होने पर)		20,000	20,000
	समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉग खाता नाम समता अंश पूंजी खाते से (अन्तिम मॉग देय होने पर)		25,000	25,000
	बैंक खाता नाम बकाया मॉग खाता नाम समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉ खाते से (100 अंशो पर अन्तिम मॉग बकाया होने से)		24,750 250	25,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न 5. कोनिक लिमिटेड 2,00,000रू. की अधिकृत समता पूँजी जो कि 2000 अंशों 100रू. प्रति अंश विभाजित है, साथ ही पंजीकृत है ने अभिदान के लिए 1000 अंश निर्गमित किये जिन पर 25 रू. आवेदन राशि, 30 रू. प्रथम मांग पर और शेष आवश्यकतानुसार मॉगे जाने पर 1000 अंशो के लिए आवेदन स्वीकार किए गए और आबंटन किया गया। आबंटन की राशि पूर्ण रूप से प्राप्त की गई, लेकिन जब प्रथम मॉग राशि मॉगी गई वो एक अंशधारी जिसे 100 अंश आबंटित किए गए थे मॉग राशि चुकाने मे असमर्थ थां तथा एक अन्य अंशधारी ने 50 अंशो के लिए सम्पूर्ण राशि का भुगतान कर दिया। कम्पनी ने कोई अन्य मॉग नही की। कम्पनी की पुस्तकों में अंशपूॅजी के लेनदेन से सम्बधित आवश्यक रोजनामचा प्रविष्ठिया करे।

<u>क्रोनिका कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकें</u>

<u>रोजनामचा</u>

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से (1000 अंशो पर 25 रू. प्रति अंश आवेदन राशि प्राप्त)		25,000	25,000
	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (आवेदन राशि को समता अंश पूॅजी खाते मे)		25,000	25,000
	समता अंश आबंटन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (1000 अंशो पर 30रू. प्रति अंश आबंटन राशि देय होने पर)		30,000	30,000
	बैंक खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से (आवेदन राशि प्राप्त होने पर)		30,000	30,000
	समताअंश प्रथम मॉग खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (1000 समता अंश 20रू. प्रति प्रथम मॉग करने पर)		20,000	20,000
	बैंक खाता नाम बकाया मॉग खाता समता अंश प्रथम मॉग खाते से अग्रिम मॉग खाते से (900 अंशो पर प्रथम मॉग राशि प्राप्त 50 अंशों पर अग्रिम मॉग राशि 25 रू. प्रति अंश)		19,2500 2000	20,000 1,250

CBEO BHINDER UDAIPUR

निबन्धात्मक प्रश्न

प्र न 1. जनता पेपर्स लिमिटेड ने 25 रू. वाले 100,000 समता अंशो को जारी करने का आमन्त्रण दिया जिन पर देय राशि इस प्रकार थी –

आवेदन पर 5.00 रूपये प्रति अंश

आबंटन पर 7.50 रूपये प्रति अंश

प्रथम मॉग पर 7.50 रूपये प्रति अंश (आबंटन के दो माह बाद देय)

द्वितीय और अन्तिम मॉग पर 5.00 रूपये प्रति अंश (दो माह बाद देय)

1 जनवरी 2017 को 4,00,000 अंशो के लिए आवेदन प्राप्त किये गये और 1 फरवरी 2017 को आबंटन किया गयां।

निम्न परिस्थितियों के अंश पूॅजी के लेनदेन के सम्बन्ध में रोजनामचा प्रविष्ठियॉ करे।

1. संचालको ने कुछ चुने हुए आवेदको को 1,00,000 अंशों का आबंटन करने का निर्णय लिया तथा 3,00,000 अंशों को पूर्ण रूप से रद्द किया गया।
2. संचालको द्वारा प्रत्येक आवेदन कर्ता को आवेदन किये गये अंशों का 25 प्रतिशत अनुपातिक आबंटन किया जाये, आवेदन राशि के शेष आबंटन के साथ समायोजित किया जाए और तत्प चात् नये हुए आवेदनों की राशि को वापस कर दिया जाए।
3. संचालको द्वारा 2,00,000 अंशों के लिए किए गए आवेदनों को बिल्कुल रद्द कर दिया। 80,000 अंशो के लिए पूर्ण बंटन किया गया तथा 20,000 अंशों का शेष आवेदको को आनुपातिक आबंटन किया गया और आवेदन से अधिक प्राप्त राशि को आबंटन के साथ समायोजित किया गया तथा मॉग को बनाया गया।

(1) विकल्प

जनता पेपर्स लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
2017 1 जनवरी	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से (4,00,000 अंशो पर 5रू. प्रति आवेदन राशि प्राप्त)		20,00,000	 20,00,000
1 फरवरी	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से बैंक खाते से (1,00.000 अंशों पर प्राप्त आवेदन राशि को		20,00,000	 5,00,000 15,00,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

	अंश पूँजी खाते मे हस्तान्तरीत तथा रद्द आवेदन राशि लौटाने)		7,50,000	7,50,000
1 फरवरी	समता अंश आबंटन खाता नाम समता अंश पूँजी खाते से (1,00,000 अंशो का आबंटन राशि देय)		7,50,000	
	बैंक खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से (आवेदन राशि प्राप्त होने पर)		7,50,000	7,50,000
1 अप्रेल	समता अंश प्रथम मॉग खाता नाम समता अंश पूँजी खाते से (1,00,000 अंशो पर प्रथम मॉग देय होने पर)		7,50,000	7,50,000
1 अप्रेल	बैंक खाता नाम समता अंश प्रथम मॉग खाते से (1,00,000 प्रथम मॉग की राशि प्राप्त होने पर)		5,00,,000	7,50,000
1 जुन	समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉग खाता नाम समता अंश पूंजी खाते से (1,00,000 अंश पर 5 रू. प्रति अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉग देय होने पर)		5,00,,000	5,00,,000 5,00,,000
1 जुन	बैंक खाता नाम समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉ खाते से (अन्तिम मॉग की राशि प्राप्त होन पर)			

(2) विकल्प

आवेदन प्राप्त	अंश आबंटन
4,00,000	1,00,000

4 : 1 अनुपात

प्राप्त आवेदन राशि 4,00,000 x 5 = 20,00,000

आवेदन व आबंटन राशि

5+ 7.50 =12.50 = 12,50,000

राशि लौटाई 7,50,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

CBEO BHINDER UDAIPUR

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
2017 1 जनवरी	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से		20,00,000	 20,00,000
1 फरवरी	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से बैंक खाते से		12,50,000	 5,00,000 7,50,000
1 फरवरी	समता अंश आबंटन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से		7,50,000	 7,50,000
1 फरवरी	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से		7,50,000	 7,50,000
1 अप्रेल	समता अंश प्रथम मॉग खाता नाम समता अंश पूॅजी से		7,50,000	 7,50,000
	बैंक खाता नाम समता अंश प्रथम मॉग खाते से		7,50,000	 7,50,000
1 जुन	समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉग खाता नाम समता अंश पूंजी खाते से		5,00,,000	 5,00,,000
	बैंक खाता नाम समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉग खाते से		5,00,,000	 5,00,,000

(3) तृतीय विकल्प

विश्लेषण तालिका

श्रेणी	आवेदित अंश	आबंटित अंश	प्राप्त राशि	आवेदन राशि स्थानान्तरीत	आधिक्य आवेदन राशि	राशि लौटाई	आबंटन पर समायोजन एवं मांगो पर
रद्द	2,00,000	—	10,00,000	—	—	10,00,000	
पूर्ण	80,000	80,000	4,00,000	4,00,000	—	—	
यथानुपात	1,20,000	20,000	6,00,000	1,00,000	5,00,000	1,00,000	2,50,000
योग	4,00,000	20,00,000	20,00,000	5,00,000	5,00,000	11,00,000	2,50,000

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
2017 1 जनवरी	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से (4,00,000 अंशो पर 5रू. प्रति आवेदन राशि प्राप्त)		20,00,000	20,00,000
	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश पूँजी खाते से बैंक खाते से (आवेदन राशि पूँजी खाते मे राशि लौटाई आधिक्य)		16,00,000	5,00,000 11,00,000
1 फरवरी	समता अंश आबंटन खाता नाम समता अंश पूँजी खाते से		7,50,000	7,50,000
1 फरवरी	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से नाम समता अंश आबंटन खाते से		6,00,000 1,50,000	7,50,000
1 अप्रेल	समता अंश प्रथम मॉग खाता नाम समता अंश पूँजी से नाम		7,50,000	7,50,000
	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश प्रथम मॉग खाते से		6,00,000 1,50,000	7,50,000
1 जुन	समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉग खाता नाम अंश पूंजी खाते से		5,00,,000	5,00,,000
1 जुन	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से		4,00,,000 1,00,,000	5,00,,000

प्र न 3. जुपीटर कम्पनी लिमिटेड ने 10 रूपये प्रत्येक वाले 35000 अंश 2 रूपये अधिलाभ पर जारी किऐ

जिन पर देय राशियॉ निम्नवत् है –

आवेदन पर 3 रूपये

आबंटन पर 5 रूपये (अधिलाभ सहित)

शेष प्रथम व अन्तिम मॉग पर

अंशों का पूर्ण रूप से अभिदान किया गया समस्त राशि को प्राप्त किया गया। कम्पनी की पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियॉ करे।

CBEO BHINDER UDAIPUR

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम अंश आवेदन खाते से (35,000 अंशो पर 3 रू. आवेदन राशि प्राप्त)		1,05,000	1,05,000
	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (आवेदन राशि को समता अंश पूंजी खाते मे हस्तान्तरण		1,05,000	1,05,000
	समता अंश आबंटन खाता नाम समता अंश पूॅजी से प्रतिभुति प्रीमियम खाते से		1,75,000	1,75,000
	बैंक खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से		1,75,000	1,75,000
	समता अंश प्रथम एवं अन्तिम मांग खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से		1,40,000	1,40,000
	बैंक खाता नाम समता अंश प्रथम एवं अन्तिम मॉग खाते से		1,40,000	1,40,000

प्रश्न 3. अशोक लिमिटेड ने 10रू. प्रत्येक अंश के 3,00,000 समता अंशो को 2 रूप्ये प्रति अंश के अधिलाभ पर जारी किया। आवेदन पर 3 रू. आबंटन पर 5 रू. (अधिमुल्य सहित) और शेष राशि दो समान राशि की मांगों पर देय है। 4,00,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। सब आवेदनों पर अनुपातिक बंटन किया गया। आवेदनों पर प्राप्त अतिरिक्त राशि आबंटन पर देय राशि में समायोजित की गई। मुकेश जिन्हे 800 अंश आबंटित किए गए दों मांग राशि का भुगतान करने में असफल रहा और उनके अंशों का हरण द्वितीय मांग के पश्चात् किया गया।

अशोक लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियॉ का अभिलेखन करे और तुलन पत्र दर्शाएॅ।

CBEO BHINDER UDAIPUR

अशोक लिमिटेड की पुस्तकों

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से (4,00,000 अंशो पर आवेदन राशि प्राप्त)		12,00,000	 12,00,000
	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (3,00,000 अंशो की आवेदन राशि समता अंश पूॅजी खाते से)		9,00,000	 9,00,000
	समता अंश आबंटन खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (3,00,000 अंशो पर आबंटन राशि देय)		15,00,000	 9,00,000 6,00,000
	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से (अंश आवेदन पर प्राप्त अधिक राशि का आबटनं पर समायोजन)		3,00,000	 3,00,000
	बैंक खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से (आबंटन राशि को प्राप्त किया)		12,00,000	 12,00,000
	समता अंश प्रथम मॉग खाता नाम समता अंश पूॅजी से (प्रथम मॉग देय होने पर)		6,00,000	 6,00,000
	बैंक खाता नाम मॉग बकाया खाता नाम समता अंश प्रथम मॉग राशि (आबंटन राशि को प्राप्त किया) 2,99,000 अंशो पर प्राप्त प्रथम मॉग राशि		5,98,400 1600	 6,00,000
	समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम खाता नाम समता अंश पूॅजी खाते से (3,00,000 अंशो पर द्वितीय मॉग देय होने पर)		6,00,000	 6,00,000
	बैंक खाता नाम बकाया मॉग खाता नाम समता अंश द्वितीय एवं अन्तिम मॉग खाते से (2,99,200 अंशो पर प्राप्त द्वितीय मॉग राशि)		5,98,400 1600	 6,00,000
	समता अंश पूॅजी खाता नाम अंश हरण खाते से बकाया मांग खाते से (800 अंशो का हरण)		8,000	 4,800 32000

CBEO BHINDER UDAIPUR

अशोक लिमिटेड का तुलन पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि
I समता एवं देयता		
1. अंश धारक निधी		
(अ) अंश पूँजी	1	29,96,800
(ब) आरक्षित एवं अधिशेष	2	6,00,000
योग		35,96,800
II परिसम्पतियाँ		
(अ) नगद एवं नकद तुल्य	3	35,96,800
योग		35,96,800

खाते की टिप्पणी

नोट 1. अंश पूँजी

1. अधिकृत पूँजी
2. निर्गमित पूँजी

3,00,000 समता अंश 10 रू. प्रत्येक	29,92,000
जोडो अंश हरण खाता	4800
	29,96,800

नोट 2. आरक्षित एवं अधिशेष

प्रतिभूति संचय	6,00,000

नोट 3 नगद एवं नगद समतुल्यांक

बैंक में रोकड	35,96,800

प्र न 4 जनवरी 2014 एक्स लिमिटेड के संचालको के 50,000 अंशो को 10रू. प्रति के मूल्य पर प्रति अंश 12 रूपये पर जनता को क्रय करने के लिए जारी किए जो इस प्रकार देय है –

आवेदन पर 5 रूपये (प्रीमियम सहित)

आबंटन पर 4 रूपये

शेष 1 मई 2014 को मॉग करने पर

10 फरवरी 2014 को अभिदान सूची बन्द कर दी गई, इस दिन तक 70,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त राशि में से 40,000 रू. वापस कर दिये गए और 60,000 रू. आबंटन

CBEO BHINDER UDAIPUR

पर देय राशि के साथ समायोजन हेतु रख दिये, जिसकी शेष रकम 16 फरवरी 2014 को भुगतान कर दी गईं।

सिवाय 500 अंशो के आबंटियों के सभी अंश धारको ने एक मई 2014 को देय मॉग राशि का भुगतान कर दिया।

इन अंशो को 29 सितम्बर 2014 को जब्त कर लिया गया और 1 नवम्बर 2014 को प्रति अंश 8 रू. पर पूर्ण प्रदत्त मानते हुए पुनः निर्गमन किया गया।

कम्पनी नीति के अनुसार कम्पनी मॉग की बकाया राशि का खाता नहीं रखती। कम्पनी की बहियो में अंशपूंजी लेन–देन रोजनामचा प्रविश्ठ करे।

एक्स लिमिटेड की पुस्तकों

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
2014 फरवरी 10	बैंक खाता नाम समता अंश आवेदन खाते से (70,000 अंशो पर 5 रू. प्रति अंश की दर से)		3,50,000	3,50,000
फरवरी 16	समता अंश आवेदन खाता नाम समता अंश पूॅजी से प्रतिभुति प्रीमियम आरक्षित खाते से (आबंटन 50,000 अंशो पर आवेदन राशि का अंश पूॅजी एवं प्रीमियम में स्तान्तरीत)		2,50,000	1,50,000 1,00,000
फरवरी 16	समता अंश आवेदन खाता नाम बैंक खाते से समता अंश आबंटन खाते से (अधिकतम राशि लौटाई व आबंटन पर समायोजन)		1,00,000	40,000 60,000
फरवरी 16	समता अंश आबंटन खाता नाम समता अंश पूॅजी से (4 रू. प्रति अंश आबंटन राशि देय होने पर)		2,00,000	2,00,000
फरवरी 16	बैंक खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से (आबंटन राशि प्राप्त)		1,40,000	1,40,000
मई 1	समता अंश प्रथम व अन्तिम मांग खाता नाम समता अंश पूॅजी से (प्रथम एवं अन्तिम मांग देय होने पर)		1,50,000	1,50,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

मई 1	बैंक खाता नाम समता अंश प्रथम एवं अन्तिम मांग खाते से (प्रथम एवं अन्तिम मांग प्राप्त)		1,48,500	 1,48,500
सितम्बर 29	समता अंश पॅूजी खाता नाम अंश हरण खाते से समता अंश प्रथम एवं अन्तिम मांग से (मांग राशि का भुगतान नही करने पर 500 अंशो का हरण)		5,000	 15,00 35,00
नवम्बर 1	बैंक खाता नाम अंश हरण खाता समता अंश पूंजी खाते से (500 हरण अंशों का पुर्ण निर्गमन)		4,000 1000	 5,000
नवम्बर 1	अंश हरण खाता नाम पूंजी आरक्षित खाते से (अंश हरण खाते की राशि को पूंजी आरक्षित खाते में हस्तान्तरण)		2500	 2500

.

CBEO BHINDER UDAIPUR

अध्याय – 5 ऋण पत्रों का निर्गमन एवं मोचन

प्र न 1. ऋण पत्र से क्या आशय है ?

उत्तर– ऋण पत्र एक लिखित विपत्र है जो कंपनी की सामान्य मोहर के अन्तर्गत एक ऋण का एक अभिज्ञान कराता है।

प्र न 2. अंश और ऋण पत्र के मध्य कोई दो अन्तर लिखिए।

उत्तर– 1. एक अंश धारक कंपनी का स्वामी होता है जबकि ऋण धारी केवल एक ऋण दाता होता हैं

2. अंश धारकों को मतदान का अधिकार होता है जबकि ऋण पत्र धारक को मतदान का अधिकार नहीं होता है।

प्र न 3. सुरक्षा के दृष्टिकोण से ऋण पत्र कितने प्रकार के होते है ? प्रकार लिखो।

उत्तर – सुरक्षा के दृष्टिकोण से ऋण पत्र दो प्रकार के होते है

1. रक्षित ऋण पत्र 2. आरक्षित ऋण पत्र

प्र न 4. मोचनीय ऋण पत्रों से क्या आ ाय है ?

उत्तर– मोचनीय ऋण पत्र वे होते है जो एक विशिष्ट अवधि की समाप्ति पर एक मुश्त या किस्तो में देय होते है। इन ऋण पत्रों का भुगतान सम मूल्य पर बट्टे पर या प्रीमियम पर भी किया जा सकता है।

प्र न 5. अपरिवर्तनीय ऋण से क्या आशय है ?

उत्तर – ये वे ऋण पत्र है जिन्हें अंश में परिवर्तित नहीं किया जा सकता या किसी अन्य प्रतिभूति नहीं बदले जा सकते है।

प्र न 6. पंजीकरण के दृष्टिकोण से ऋण पत्र कितने प्रकार के होते है ? नाम लिखों।

उत्तर – पंजीकरण के दृष्टिकोण से ऋण पत्र दो प्रकार के होते है ।

1. पंजीकृत ऋण पत्र 2. वाहक ऋण पत्र

प्र न 7 ऋण पत्रों का निर्गमन किन–किन मूल्यों पर किया जा सकता है ?

उत्तर– ऋण पत्रों का निर्गमन सम मूल्य पर, बट्टे पर व प्रीमियम पर किया जाता है।

प्र न 8. ऋण पत्रों पर आवेदन पत्रों की प्राप्त राशि का लेखा कम्पनी अपनी पुस्तकों मे क्या करेगी ?

उत्तर – बैंक खाता नाम

ऋण पत्र आवेदन खाते से

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न 9. रोकड के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर ऋण पत्रों का निर्गमन से क्या आशय है ?
उत्तर– कभी–कभी कंपनी विक्रेताओं से परिसंपत्यिॉ खरीदती है और रोकड भुगतान करने की अपेक्षा प्रतिफल के लिए ऋण पत्र जारी कर देती है।

प्र न 10. ऋण पत्रों का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन क्या है ?

उत्तर– कम्पनी स्वयं के ऋण पत्रों का निर्गमन पहले से बंधक परिसम्पतियों सहित ऋणदाता को करती है। ऐसे निर्गमन को संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋण पत्रों का निर्गमन कहते है।

प्र न 11. ऋण पत्रों के मोचन की कितनी विधियॉ है ? नाम लिखो।

उत्तर– ऋण पत्रों के मोचन की चार विधियॉ है, जा निम्न है –

1. एक मुश्त भुगतान
2. किश्तों में भुगतान
3. खुले बाजार में खरीदना
4. अंशों या नये ऋण पत्रों में परिवर्तन

निबन्धात्मक प्रश्न

प्र न 1. एबीसी लिमिटेड ने प्रति ऋण पत्र 100 रू. के 10,000 ऋण पत्र जारी किए जिसमें आवेदन पर 30 रू. और आबंटन पर अंश राशि देय है। जनता ने 9000 रू. के ऋणपत्रों के लिए आवेदन किया जो पूर्णतः आबंटित थे। उपयुक्त अपेक्षित राशि प्राप्त की गई एबीसी लिमिटेड के खातो मे रोजनामचा प्रविष्ठियॉ तथा तुलन–पत्र तैयार करे।

उत्तर

एसीबी लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र आवेदन खाते से (9,000 ऋण पत्रो पर आवेदन राशि प्राप्त)		2,70,000	2,70,000
	12 प्रतिशत ऋण पत्र आवेदन खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (आवेदन राशि को ऋण पत्र खाते मे हस्तान्तरण)		2,70,000	2,70,000
	12 प्रतिशत ऋण पत्र आबंटन खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (9,000 ऋण पत्रो को आबंटन पर देय राशि)		6,30,000	6,30,000
	बैंक खाता नाम समता अंश आबंटन खाते से		1,75,000	1,75,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

एबीसी लिमिटेड का तुलन पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि
I समता एवं देयता 1. गैर चालु दायित्व दर्घकालिन ऋण योग	— 1	9,00,000
II परिसम्पतियॉ चालु परिसम्पतियॉ रोकड एवं रोकड तुल्य योग	2	9,00,000

प्र न 2 टीवी कम्पामेंटेस लिमिटेड ने प्रति ऋण पत्र 100 रू. पर 10,000, 12 प्रतिशत ऋणपत्रो को 5 प्रतिशत बट्टे पर निर्गमित किए जो निम्नवत् देय है।

आवेदन पर 40 रू.

आबंटन वा 55 रू.

इसकी रोजनामचा प्रविष्टियॉ करे तथा यह मानकर चले कि इसकी सभी किश्ते यथानुसार प्राप्त हुई है। इसके साथ ही तुलन–पत्र का उपयुक्त भाग भी दर्शाऍ।

उत्तर –

टीवी कंपोनेट्स की खाता पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र आवेदन खाते से (12 प्रतिशत ऋण पत्रो की आवेदन राशि प्राप्त)		4,00,000	4,00,000
	12 प्रतिशत ऋण आवेदन पत्र खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (ऋण पत्र आवेदन की राशि ऋण पत्र खाते से)		4,00,000	4,00,000
	12 प्रतिशत ऋण पत्र आबंटन खाता नाम ऋण पत्र निर्गमन बट्टा खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (आबंटन पर देय राशि)		5,50,000 50,000	6,00,000
	बैंक खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र आबंटन खाते से (ऋण पत्र आबंटन राशि की प्राप्ति)		5,50,000	5,50,000
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता नाम ऋण पत्र निर्गमन बट्टा खाते से (ऋण पत्रों पर बट्टे का अपलेखन)		50,000	50,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

टीवी कंपोनेंट्स का तुलन पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि
I समता एवं देयता 1. अंश धारक निधि गैर चालु दायित्व **II** परिसम्पतियॉ 1. गैर चालु परिसम्पतियॉ (क) अन्य गैर चालु परिसम्पतियॉ। 2. चालु परिसम्पतियॉ (क) रोकड एवं रोकड तुल्यांक		 9,50,000 9,50,000

प्र न 3 एक्स वाई जेड इडस्ट्रीज ने प्रति ऋण पत्र 100 रू. पर 2000, 10 प्रतिशत ऋणपत्रों को 10 रू. प्रीमियम पर निर्गमित किया जो निम्नानुसार देय है।

आवेदन पर 50 रू.

आबंटन वा 60 रू.

सभी ऋण पत्र अभिदत्त हुए और सुपूर्ण राशि यथोचित प्राप्त हुई। कम्पनी की खाता पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्ठियॉ अभिलिखित करे साथ ही तुलन पत्र भी तैयार करें।

उत्तर –

एक्स वाई जेड इंडस्ट्रीज लि0 की खाता पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम 10 प्रतिशत ऋण पत्र आवेदन खाते से (2000 ऋण पत्रो की आवेदन राशि प्राप्त)		1,00,000	 1,00,000
	10 प्रतिशत ऋण पत्र आवेदन खाता नाम 10 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (ऋण पत्र आवेदन राशि ऋण पत्र में स्थानान्तरित)		1,00,000	 1,00,000
	12 प्रतिशत ऋण पत्र आबंटन खाता नाम ऋण पत्र निर्गमन बट्टा खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (आबंटन पर देय राशि)		5,50,000 50,000	 6,00,000
	बैंक खाता नाम 12 प्रतिशत ऋण पत्र आबंटन खाते से (ऋण पत्र आबंटन राशि की प्राप्ति)		1,20,000	 20,000 1,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता नाम ऋण पत्र निर्गमन बट्टा खाते से (ऋण पत्रों पर बट्टे का अपलेखन)		1,20,000	 1,20,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

एक्स वाई जेड इंडस्ट्रीज लि0 तुलन पत्र

विवरण	नोट संख्या	राशि
I समता एवं देयता		
1. अंश धारक निधि		20,000
आरक्षित एवं अधिशेष		
2 गैर चालू दायित्व.		2,00,000
10 प्रतिशत दीर्घ कालीन ऋण पत्र		2,20,000
II परिसम्पतियॉ		
1. चालु परिसम्पतियॉ		
रोकड एवं रोकड तुल्यं		2,00,000
		9,50,000

प्र न – 4 एक्स लिमिटेढ ने 40 रू. आवेदन पर तथा 60रू. आबंटन पर देय रखते हुए प्रति ऋण पत्र 100रू. पर 10,000 10 प्रतिशत ऋण पत्रों को निर्गमित किया। जनता ने 14000 ऋण पत्रों के लिए आवेदन किए। 9000 ऋण पत्रों के लिए पूर्ण आवेदन स्वीकृत किये गए। 2000 ऋण पत्रों के लिए आवेदनो पर 1000 ऋण पत्र आबंटित किए गए। अंश आवेदनों को अस्वीकार्य किया गया। सारी राशि यथानुसार प्राप्त हुई थी। इन लेनदेनों की रोजनामचे में प्रविष्ठि दे।

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम 10 प्रतिशत ऋण पत्र आवेदन खाते से (14,000 ऋण पत्रो पर प्राप्त आवेदन राशि)		5,60,000	 5,60,000
	10 प्रतिशत ऋण पत्र आवेदन खाता नाम 10 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से 10 प्रतिशत ऋण पत्र आंबटन खाते से बैंक खाते से (आवेदन राशि को 10 प्रतिशत ऋण पत्र खाते मे आबंटन खाते में एवं राशि लौटायी)		5,60,000	 4,00,000 40,000 1,20,000
	10 प्रतिशत ऋण पत्र आबंटन खाता नाम 10 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (10,000 ऋण पत्रो पर आबंटन राशि देय)		6,00,000	 6,30,000
	बैंक खाता नाम ऋण पत्र आबंटन खाते से (आबंटन राशि प्राप्त)		5,60,000	 5,60,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न – 5 आर्शीवाद कंपनी लिमिटेड ने अन्य कम्पनी से 2,00,000 पुस्तक मूल्य की परिसंपत्तियॉ खरीदी और यह सहमति बनी कि कय प्रतिफल का भुगतान, प्रति ऋणपत्र 100 रू. पर 2000 10 प्रतिशत ऋण पत्रों के निर्गमन द्वारा किया जाएगा। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्ठियॉ अभिलिखित करें।

आर्शीवाद कंपनी लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	विविध परिसंपत्तियॉ खाता नाम विकेता से (विकेता से परिसंपत्तियॉ खरीदी गई)		2,00,000	 2,00,000
	विकेता खाता नाम 10 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (विकेता को ऋणपत्रों से भुगतान आबंटन करके)		2,00,000	 2,00,000

प्र न – 6 राय लिमिटेड ने एक अन्य कम्पनी से 2,00,000 रू. पुस्तक मूल्य की परिसम्पत्तियॉ खरीदी और यह सहमती बनी कि इस कय प्रतिफल के भुगतान के रूप में प्रति ऋण पत्र 100 रू. के 2000 10 प्रीमियम के साथ जारी करने के द्वारा होगा। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्ठियॉ अभिलिखित करें।

राय लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	विविध परिसंपत्तियॉ खाता नाम विकेता से (विकेता से परिसंपत्तियॉ खरीदी)		2,20,000	 2,20,000
	विकेता खाता नाम 10 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से (100 रू. प्रति 2000 ऋणपत्रों का 10 प्रतिशत प्रीमियम पर आबंटन)		2,20,000	 2,00,000 20,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र न – 7 नेशनल पैकेजिंग कम्पनी ने एक अन्य कम्पनी से 1,90,000 रू. पुस्तक मूल्य की परिसम्पत्तियॉ खरीदी और क्रय प्रतिफल की भुगतान सहमति के हिसाब से 100 रू. प्रति ऋण पत्र 10 प्रतिशत ऋण पत्र 5 प्रतिशत बट्टे के हिसाब से जारी किए गए। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्ठियॉ अभिलिखित करें।

नेशनल पेंकिग लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	विविध परिसंपत्तियॉ खाता नाम विक्रेता से (विक्रेता से परिसंपत्तियॉ खरीदी)		1,90,000	1,90,000
	विक्रेता का खाता नाम ऋण पत्र निर्गमन पर बट्टा खाता नाम 10 प्रतिशत ऋण पत्र खाते से (100 रू. प्रत्येक ऋणपत्र के हिसाब से 200 ऋण पत्र 5 प्रतिशत बटटे पर आबंटन)		1,90,000 10,000	2,00,000

प्र न – 8 निम्न लिखित के लिए रोजनामचा प्रविष्ठियॉ दीजिए –

1. 100 रू. प्रत्येक 1,00,000 रू. के 9 प्रतिशत ऋण पत्र सम तुल्य पर निर्गमन एवं सम तुल्य पर मोचनीय
2. 100 रू. प्रत्येक पर 1,00,000 रू.. के 9 प्रतिशत ऋण पत्र 5 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित एवं समतुल्य पर मोचनीय
3. 100 रू. प्रत्येक पर 1,00,000 रू. के 9 प्रतिशत ऋण पत्र 5 प्रतिशत बट्टे पर निर्गमित एवं समतुल्य पर मोचनीय।
4. 100 रू. प्रत्येक पर 1,00,000 रू. के 9 प्रतिशत ऋण पत्र समतुल्य पर निर्गमित एवं 5 प्रतिशत प्रीमियम पर मोचनीय।
5. 100 रू. प्रत्येक पर 1,00,000 रू. के 9 प्रतिशत ऋण पत्र 5 प्रतिशत बट्टे पर निर्गमित तथा 5 प्रतिशत प्रीमियम पर मोचनीय
6. 100 रू. प्रत्येक पर 1,00,000 रू. के 9 प्रतिशत ऋण पत्र 5 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित एवं 5 प्रतिशत प्रीमियम पर मोचनीय।

CBEO BHINDER UDAIPUR

तिथि	विवरण	ब. पृ. सं.	नाम राशि रूपये	जमा राशि रूपये
	बैंक खाता नाम 9 % ऋणपत्र आवेदन आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन से प्राप्त राशि)		1,00,000	 1,00,000
	समता अंश आवेदन खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम 9 % ऋण पत्र खाते से (आवेदन राशि ऋण पत्र में स्तान्तरीत)		1,00,000	 1,00,000
	बैंक खाता नाम 9 % ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋण पत्र आवेदन राशि से प्राप्त)		1,05,000	 1,05,000
	9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम 9 % ऋण पत्र खाते से (प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से)		1,05,000	 1,,00,000 5,000
	बैंक खाता नाम 9 % ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्रों के आवेदन से प्राप्त राशि)		95,000	 95,000
	9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम ऋणपत्र निर्गमन बट्टा खाता नाम 9 % ऋण पत्र खाते से (आवेदन राशि को 9 % ऋणपत्र खाते मे हस्तान्तरित)		95,000 5,000	 1,00,000
			1,00,000	 1,00,000
			1,00,000 5,000	 1,00,000 5,000
			95,000	 95,000
			95,000 5,000 5,000	 1,00,000 5,000
			1,05,000	 1,05,000
			1,00,000 5,000	 1,00,000 5,000 5,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

अध्याय–6 कम्पनी के वित्तिय विवरण

बहुचयनात्मक प्रश्नः–

प्र. 1 कम्पनी के वित्तिय विवरण में शामिल नहीं है ?

(अ) तुलन पत्र (ब) लाभ–हानि विवरण

(स) रोकड बही (द) रोकड प्रवाह विवरण (द)

प्र. 2 जब लेखांकन आयकर योग्य आय से अधिक होती है तो उत्पन्न होता है ?

(अ) स्थगित कर दायित्व (ब) स्थगित कर सम्पति

(स) दीर्घकालीन ऋण (द) इनमें से कोई नहीं (अ)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नः–

प्र. 1. वित्तिय विवरण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर वित्तिय विवरण लेखांकन प्रकिया का अंतिम उत्पाद होते है जो एक विशेष अवधि के लिए वित्तिय परिणाम ओर एक विशेष तिथि पर वित्तिय स्थिति को प्रकट करते है।

प्र. 2. वित्तिय विवरणों की प्रकृति के बिंदु लिखे।

उत्तर 1. अभिलिखित तथ्य 2. लेखांकन परम्पराएँ

3. अभिधारणाएँ 4. वैयक्तिक निर्णय

प्र. 3. वित्तिय विवरणों के किन्ही 3 उद्वेश्यों की सूची दीजिएः–

उत्तर 1. एक व्यवसाय के आर्थिक संसाधनों एवं दायित्वों के सन्दर्भ में सूचना उपलब्ध कराना।

2. रोकड़ प्रवाह के सन्दर्भ में सूचना उपलब्ध कराना।

3. प्रबन्ध की प्रभावशीलता को आंकलित करना।

प्र. 4. वित्तिय विवरणों के प्रकार लिखों।

उत्तर 1. तुलन पत्र/चिट्ठा

2. लाभ–हानि विवरण

प्र. 5 वह विवरण जो कम्पनी की सम्पतियों एवं दायित्वों को दर्शाता है –

उत्तर चिट्ठा/तुलन पत्र।

प्र. 6 आर्थिक चिट्ठे में स्थगित कर दायित्व को किस मुख्य शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है–

उत्तर गैर चालू दायित्व

प्र. 7 आर्थिक तुलन पत्र में सामान्य संचय को किस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाएगा–

उत्तर संचय एवं आधिक्य

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 8 कम्पनी के तुलन पत्र में उक्त याचना के किस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है
उत्तर अंश पूंजी

प्र. 9 कम्पनी के तुलन पत्र में अंश हरण खाते को किस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है।
उत्तर अंश पूंजी

प्र. 10 कम्पनी के तुलन पत्र में प्रतिभूति प्रीमियम संचय को किस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है।
उत्तर संचय एवं आधिक्य

प्र. 11 तुलन पत्र क्या है
उत्तर वह विवरण जो एक निश्चित तिथि को संस्था की सम्पतियों दायित्वों एवं पूंजी को दर्शाता है, उसे तुलन पत्र कहते है।

प्र. 12 वित्तिय विवरण के उपयोगकत्ताओं के नाम बताइए।
उत्तर अंशधारी, लेनदार, ऋणदाता, प्रबन्धक, कर्मचारी, सरकार, बैंक, वित्तिय संस्थान, कर अधिकारी आदि।

प्र. 13 तुलन पत्र में बकाया मांग को कैसे प्रदर्शित किया जाता है ?
उत्तर बकाया मांगो को Subscribed Capital में से घटाकर प्रदर्शित किया जाता है।

प्र. 14 चालू सम्पतियों से आप क्या समझते है ?
उत्तर वे सम्पतियॉ जो एक वर्ष की अवधि में नकद में परिवर्तित हो, चालू सम्पति कहलाती है।

प्र. 15 आस्थगित कर दायित्व को समझाइये।
उत्तर आस्थगित कर दायित्व उस समय उत्पन्न होता है जब लेखाकंन आय कर योग्य आय से अधिक होती है।

प्र. 16 अल्पकालीन ऋणों से आप क्या समझते है ?
उत्तर ऐसे ऋण जो ऋण लेने की तिथि से 12 माह के अन्दर चुकाए जाते है, अल्पकालीन ऋण कहलाते है।

प्र. 17 एक कम्पनी के तुलन पत्र के समता एवं दायित्व पक्ष में प्रमुख शीर्षको की संख्या कितनी है ?
उत्तर 04

प्र. 18 चालू सम्पतियों के 2 उदाहरण लिखो।
उत्तर 1. Stock 2. Bills Receivable

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 19 चालू दायित्वों के 2 उदाहरण दीजिए।

उत्तर 1. व्यापारिक देयताएँ 2. अग्रिम याचना

प्र. 20 एक कम्पनी के तुलन पत्र में आप बैंक अधिविकर्ष और नकद साख को किस प्रकार दिखाएंगे।

उत्तर अल्पकालीन ऋण।

प्र. 21 निम्नलिखित मदों को कम्पनी के तुलन पत्र में किस शीर्षकों–उपशीर्षकों के अन्तर्गत लिखा जाता है ?

1. ख्याति(Goodwill) छोटें औजार(Loose Tools)

उत्तर

मद	शीर्षक	उप–शीर्षक
Goodwill	Non Current Assets	Fixed Assets
Loose Tools	Current Assets	Inventories

लघूत्तरात्मक प्रश्नः–

प्र. 1 स्थिति विवरण के संचय एवं आधिक्य शीर्षक के अन्तर्गत लिखी जाने वाली 4 मदें लिखिए।

उत्तर 1. पूंजी संचय 2. पूंजी शोधन संचय
3. प्रतिभूति प्रीमियम संचय 4. ऋणपत्र शोधन संचय

प्र. 2 अंश विकल्प अदत्त खाता क्या है ? समझाइये।

उत्तर कर्मचारी क्षतिपूर्ति की ऐसी योजना है जिसके अन्तर्गत कम्पनी के कर्मचारियों को यह विकल्प दिया जाता है कि वे भविष्य में निश्चित अवधि पर पूर्व निर्धारित मूल्य पर निश्चित मूल्य पर निश्चित मात्रा में अंश खरीदने के लिए आवेदन कर सकते है। ये अंश सामान्यतया बाजार मूल्य से कम (रियायती दर) पर दिये जाते है।

प्र. 3 गैर–चालू सम्पति शीर्षक के अन्तर्गत आने वाले 5 उपशीर्षकों के नाम लिखिए।

उत्तर
1. स्थायी सम्पतियां
2. गैर चालू विनियोग
3. अस्थिगत कर सम्पतियां
4. दीर्घकालीन ऋण एवं अग्रिम
5. अन्य गैर चालू सम्पति।

प्र. 4 अमूर्त सम्पति के उदाहरण दीजिए।

उत्तर
1. ख्याति (Goodwill)
2. ब्रांड एवं व्यापारिक चिन्ह (Brand &Trademark)
3. प्रतिलिप्याधिकार (Copywrite)
7. पेटेन्ट (Patent)

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 5 एक कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे में निम्नलिखित मदों को आप किन शीर्षक व उपशीर्षकों के अन्तर्गत दिखाएंगे।

1. अयाचित लाभांश
2. प्रतिभूति प्रीमियम
3. प्रस्तावित लाभांश
4. स्वीकृतियां
5. ऋणपत्र
6. अग्रिम मांग
7. कर्मचारी हित आयोजन
8. पूर्वदत्त बीमा

उत्तर

Items	**Heading**	**Sub-heading**
Unclaimed Dividend	Current Liabilities	Other Current Liabilities
Securities Premium	Shareholder's Fund	Reserves Surplus
Proposed Dividend	to be shown in notes to Accounts	—
Acceptances	Current Liabilities	Trade Payables
Debentures	Non Current Liabilities	Long Term Borrowing
Calls in advance	Current Liabilities	Other Current Liabilities
Provision for Emp. Benefits	Non Current Liabilities	Short Term Provisions
Prepaid Insurance	Current Assets	Other Current Assets

CBEO BHINDER UDAIPUR

अध्याय– 7 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्र.1 वित्तीय विवरण का अर्थ बताइये।

उत्तरः–वित्तीय विवरण वित्तीय लेखांकन का अंतिम उत्पाद है जिसका उद्वेश्य एक निश्चित तिथि को व्यवसाय की आर्थिक स्थिति ज्ञात करना तथा एक निश्चित समयावधि के क्रियाकलापो का परिणाम ज्ञात करना है।

प्र.2 अन्तर फर्म तुलना को क्या कहा जाता है।

उत्तरः– क्रास वर्गीय विश्लेशण।

प्र. 3 समानाकार चिट्ठे का अन्य नाम लिखिए।

उत्तरः– प्रतिशत चिट्ठा

प्र. 4 बेचे गए माल की लागत है।

उत्तरः– प्रारंभिक स्टॉक + माल का क्रय+ प्रत्यक्ष खर्चे – माल का अन्तिम स्टॉक

प्र. 5 लम्बवत विश्लेशण का अन्य नाम लिखिए।

उत्तरः– स्थैतिक विश्लेशण

प्र. 6 अदृश्य सम्पति किसे कहते है ?

उत्तरः– वे सम्पति जो दिखाई नही देते एवं भौतिक अस्तित्व नही होता है जैसे ख्याति, पेटेन्ट आदि।

प्र. 7 वित्तीय विवरणों की कोई दो प्रकृति लिखों

उत्तरः–1. व्यापारिक व्यवहारों को प्रभावित साक्ष्यो के आधार पर अभिलेखन करना अर्थात् सभी अभिलेखित सूचनाएँ साक्ष्यों पर आधारित होती है।

2. वित्तीय विवरण लेखांकन परम्पराओं पर आधारित होते है। जिससे वित्तीय विश्वास योग्य समझने योग्य एवं तुलना योग्य हो जाते है।

प्र. 8 वित्तीय विवरणों के कोई चार बाह्य उपयोगकर्ताओ के नाम लिखों।

उत्तरः– वित्तीय विवरणों के बाह्य उपयोगकर्ता–

1. बैंक एवं वित्तीय संस्थाएँ
2. लेनदार
3. ऋणपत्रधारी एवं भावी नियोजक
4. सरकार एवं अनय सरकारी विभाग

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 9 क्षैतिज व लम्बवत विश्लेषण में दो अन्तर बताइए।

उत्तरः—क्षैतिज विश्लेषण एवं लम्बवत विश्ले ाण में अन्तर

क्र.स	आधार	क्षैतिज विश्लेषण	लम्बवत विश्लेषण
1.	अवधि	इसमें 02 या अधिक के वित्तीय विवरणों के संमक चाहिए	इसमें एक अवधि के ही संमक चाहिए
2.	उपयोगिता	यह सामान्यतया कालश्रेणी विश्लेषण में उपयोगी है।	यह सामान्यतया परिच्छेद विश्ले ाण में उपयोगी है।

प्र. 10 प्रवृति विश्लेषण तकनीक के अन्तर्गत प्रवृति प्रतिशत की गणना की जाती है।

उत्तरः—$\frac{\text{आधार वर्श की अपेक्षा वृद्धि या कमी}}{\text{आधार वर्ष की राशि}} \times 100$

प्र. 11 यदि प्रारंभिक स्टॉक 20,000रु. , शुद्व क्रय 50,000रु. प्रत्यक्ष व्यय 5000. है तथा अन्तिम स्टॉक 22500रु. है तो बेचे गए माल की लागत ज्ञात करो।

उत्तरः—cost of goods sold= Opening Stock + Purchase + Direct Exp.Closing Stock

=20,000+50,000+5000-22500

=52500

प्र. 12 प्रवृति विश्लेषण से आप क्या समझते है ?

उत्तरः— एक निश्चित तिथि या अध्ययन की प्रारंभिक अवधि की तुलना में क्रमिक वर्षो में वित्तीय स्थिति का अध्ययन करने की विधि प्रवृति विश्लेषण कहलाती है।

प्र. 13 तुलनात्मक वित्तीय वित्तीय विवरण किसे कहते है ?

उत्तरः— जब दो या दो से अधिक वर्शो के वित्तीय विवरणों के आकडों को तुलनात्मक रुप में प्रस्तुत किया जाए तो इन्हे तुलनात्मक वित्तीय विवरण कहते है।

प्र. 14 समानाकार चिट्ठे से आप क्या समझते है ?

उत्तरः—समानाकार चिट्ठे से चिट्ठे की प्रत्येक सम्पंति का कुल सम्पत्तियों के योग से दायित्व पक्ष की प्रत्येक मद का कुल दात्यिवों व स्वामी पूंजी के योग से प्रतिशत दर्शाता है स्थिति विवरण के योग को 100 मानकर उन्हे समान आकार का बना दिया जाता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 15 वित्तीय विश्लेषण व निवर्चन में अन्तर बताइए।

उत्तरः–वित्तीय विश्लेषण में किसी व्यवसाय की आर्थिक स्थिति एवं लाभार्जनभाक्ति का पता लगाने के लिए वित्तीय विवरणों के समंको को उपयुक्त भागों में वर्गीकृत किया जाता है जबकि निर्वचन के अन्तर्गत वर्गीकृत समंको के आलोचनात्मक परीक्षण द्वारा निष्कर्ष निकाले जाते है।

प्र. 16 वित्तीय विवरणो के कोई पाँच गुण लिखिए।

उत्तरः– वित्तीय विवरणो में निम्न गुण होने चाहिए–

1. समझने योग्य
2. पूर्णता
3. तुलनीय
4. वास्तविकता
5. विश्वसनीयता

प्र. 17 तुलनात्मक विवरण का अन्य नाम लिखिए–

उत्तरः– क्षैतिज विश्लेषण

प्र. 18 प्रवृति विश्लेषण की तकनीक है–

उत्तरः– प्रवृति अनुपात

प्र. 19 किस विश्लेषण को गतिशील माना जाता है ?

उत्तरः– क्षैतिज विश्लेषण

प्र. 20 एक कम्पनी की स्थायी सम्पतियाँ 300,000 रु. से बढ़कर 400,000 हो गई। इनमें कितने प्रतिशत परिर्वतन हुआ।

उत्तरः– 33.3 प्रतिशत

प्र. 21 ऋणो पर ब्याज है–

उत्तरः– अप्रत्यक्ष व्यय

प्र. 22 प्रचालन से आगम मे से सकल लाभ घटाने पर बची हुई राशि सामान्यतः होती है–

उत्तरः– बेचे गए माल की लागत

प्र. 23 समानाकार आय विवरण में विभिन्न मदो को.................. के प्रतिशत के रुप में प्रस्तुत किया जाता है–

उत्तर :–प्रचालन से आय।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 24 समानाकार चिट्ठे में कुल समता व दायित्वों को किसके समान माना जाता है ?

उत्तरः— 100

प्र. 25 वित्तीय विश्लेषण से क्या आशय है ?

उत्तरः—वित्तीय विश्लेषण आकड़ो को सरल समूहों में वर्गीकरण करने और इन समूहो को आपस में तुलना की एक निश्चित विधि है जिसे व्यवसाय के सुदृढ़ और कमजोर पहलुओं का ज्ञान हो सके।

प्र. 26 वार्षिक रिपोर्ट के प्रमुख भाग कौनसे है।

उत्तरः— तुलन पत्र, लाभ हानि विवरण रोकड़ प्रवाह।

प्र. 27 उस मद का नाम लिखिए, जिसे समानाकार लाभ—हानि विवरण पत्र मे 100 के रूप में लिया जाता है।

उत्तरः— प्रचालन से आगम।

प्र. 28 वित्तीय विवरणों विश्लेषण के दो उद्वेश्य बताइए।

उत्तरः— 1. फर्म की वित्तीय स्थितियों के विभिन्न संघटको के सापेक्षिक महत्व का पता करना।
2. संस्था की वित्तीय सूचनाओं की प्रवृति मापन करना।

प्र. 29 दीर्घकालीन ऋणदाताओं के लिए वित्तीय विश्लेषण का क्या महत्व है ?

उत्तरः— दीर्घकालीन ऋणदाता संस्था की शोधन क्षमता एवं लाभ अर्जन क्षमता का अध्ययन वित्तीय विश्लेषण के माध्यम से कर सकते है।

लघुत्तरात्मक प्रश्नः—

प्र. 1 वित्तीय विवरणों की कोई चार विशेषताएँ समझाइए।

उत्तरः—वित्तीय विवरणों में अंग्राकित विशेषताएँ पाई जाती है—

1. संक्षिप्तीकरण
2. उपार्जन आधार
3. मुद्रा में व्यक्त
4. तकनीकी शब्दावली

प्र. 2 वित्तीय विश्लेषण की विभिन्न तकनीको के नाम लिखिए।

उत्तरः— 1. तुलनात्मक वित्तीय विवरण
2. समानाकार वित्तीय विवरण
3. प्रवृति विश्लेषण
4. अनुपात विश्लेषण

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 3 वित्तीय विवरण विश्लेषण के कोई चार उद्देश्य बताइए।

उत्तरः– 1. परिचालन कुशलता का मापन, आय विवरण में दी गई सूचनाओं के आधार वित्तीय विश्लेषण के आधार वित्तीय विश्लेषण तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. अनुपात विश्लेषण आदि तकनीकों के माध्यम से आय विवरण में दी गई सूचनाओं से संस्था की लाभदायकता का मापन करना।

3. अंतः फर्म तुलना एवं अन्तर्फर्म तुलना करना।

4.अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन शोधन क्षमता का पता लगाना।

प्र. 4 वित्तीय विश्लेषण की कोई तीन सीमाएँ बताइए।

उत्तरः–1. केवल परिमाणात्मक माप

2. सामान्य स्वीकृत सिद्वान्तों का अभाव

3. निदानात्मक नही

प्र. 5 तुलनात्मक वित्तीय विवरण के दो लाभ लिखिए।

उत्तरः–1. दो या दो से अधिक तिथियों के मध्य हुए परिवर्तनों को मापना सम्भव।

2. इनकी सहायता से विभिन्न वर्षो का एक साथ अध्ययन कर परिचालन चक्र व संस्था की कमियों का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

प्र. 6 प्रवृति विश्लेषण की उपयोगिता समझाए।

उत्तरः–1. इस विधि से परिवर्तनों की दिशा बोध का ज्ञान आसानी से होता है क्योंकि संमक दो या दो से अधिक वर्शो के प्रस्तुत किए जाते है।

2. इस विधि में चित्रमय प्रदर्शन के माध्यम से भी सूचनाओं को प्रस्तुत करने से सामान्य व्यक्ति तक इसकी पहुंच होती है।

3. वित्तीय सूचनाओं को संक्षिप्त में प्रस्तुत करने से अधिक उपयोगी है।

प्र. 7 निम्नांकित सूचनाओं से तुलनात्मक आय विवरण (खाता) बनाइए।

Particular	Note no	31 march 2016	31 march 2017
Revenue		20,00,000	30,00,000
Other income		4,00,000	3,60,000
Expevses		12,00,000	21,00,000

Ans.**Comparatine income statement for the yearEnded 31st march 2016 and 2017**

No.	Particular	Note no	31/3/16	31/3/17	Absolute change (increase/ decrease)	Change (increase/decrease)
1.	Revenue		20,00,000	30,00,000	10,00,000	50
2.	Other Income		4,00,000	3,60,000	(40,000)	(10)
3.	Total revenue (1+2)		**4,00,000**	**33,60,000**	**9,60,000**	**40**
4.	Exp.		12,00,000	21,00,000	9,00,000	75
5.	Profit before tax(3-4)		**12,00,000**	**12,60,000**	**60,000**	**5**

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 8 निम्नांकित सूचनाओं से समानाकार लाभ–हानि खाता बनाइए।

No.	Particular	Note no	31 march 2016	31 march 2017
1.	Revenue from		20,00,000	30,00,000
2.	Operation total exp		12,00,000	24,00,000
3.	Total pate		30%	30%

Ans. **Common size satment of profit s loss for the year ended 31 march, 2016 and 2017**

Particular	Note no.	Absolute Amount		% of revenue from 8 operation	
1	2	3	4	5	6
		31/3/16	31/3/17	31/3/16	31/3/17
Revenue from Opeations		20,00,000	36,00,000	100	100
Total revenue		20,00,000	36,00,000	100	100
Total expenses		12,00,000	24,00,000	60.00	66.67
Profit before tax (2-3)		8,00,000	12,00,000	40.00	33.33
Less income tax (30%)		2,40,000	3,60,000	12.00	10.00
Profit after tax (4-5)		5,60,000	8,40,000	28.00	23.33

प्र. 9 निम्नांकित सूचनाओं से व्यावसायिक क्रियाओं से आय की प्रवृति प्रतिशत ज्ञात करो। वर्ष 2010–11 को आधार मानिए।

क्र.स	वर्श	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15
1.	शुद्व बिक्री (लाख में)	20	25	28	35	40

Ans. Statement showing trend of revenue from operation(Base year=**2010-11**) (रुin lakh)

No.	Year	Net salas	Increase/decrease in comparison of base year	% Increase/decrease in comparison of base year
1.	2010-11	20	-	-
2.	2011-12	25	5	25%
3.	2012-13	28	8	40%
4.	2013-14	35	15	75%
5.	2014-15	40	20	100%

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 10 निम्नांकित चिट्ठे से समानाकार चिट्ठा बनाइए।

Particular	31st march, 2017 रु
I. EQUITY AND LIABILITIES	
1. Share holder' funds	
(a)Share capital	15,00,000
2. Current Liabilities	
(a) Trade payable	5,00,000
	20,00,000
II. Assets.	
1. Non-current assets	
(a) Fixed asset (tarigible)	16,00,000
2. Current assets	
(a) Trade Receivable	4,00,000
	20,00,000

Ans. Common size balance shee as on 31st March, 2017

NO.	PARTICULAR	NOTE NO.	ABSOLUMTE AMOUNT	% of BALANCE SHEET
1	EQUITY AND LIABILITIES			
1	Share holder' funds			
(a)	Share capital		15,00,000	75
2	Current liabilities			
(a)	Trade payable		5,00,000	25
	Total		**20,00,000**	**100**
2	Assets.			
1	Non-current assets			
(a)	Fixed asset (tarigible)		16,00,000	80
2	Current assets			
(a)	Trade Receivable		4,00,000	20
			20,00,000	**100**

CBEO BHINDER UDAIPUR

अध्याय–8 लेखांकन अनुपात

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नः–

प्र. 1 अनुपात से क्या आशय है ?
उत्तरः–दो संख्याओं के पारस्परिक सम्बन्ध को गणितात्मक रुप से प्रकट करना अनुपात कहलाता है।

प्र. 2 अनुपात विश्लेषण किसे कहते है ?
उत्तरः–अनुपात विश्लेषण विवरणों की मंदो एवं मदो के समूह में सम्बन्ध को अंकगणितिय रुप में प्रदर्शित करने को कहते है।

प्र. 3 अनुपात विश्लेषण के दो उद्वेश्य बताइए।
उत्तरः–1. प्रभावी निंयत्रण 2. कार्यकुशलता का मापन

प्र. 4 कार्यशील पूँजी अनुपात का दूसरा नाम है–
उत्तरः–चालू अनुपात

प्र. 5 आदर्श चालू अनुपात माना जाता है–
उत्तरः–2:1

प्र. 6 लेखांकन अनुपातों में दो मदो के मध्य सम्बन्ध प्रदर्शित करता है
उत्तरः–अनुपात रुप में, दर रुप में, प्रतिशत रुप में।

प्र. 7 तरलता अनुपात में शामिल है।
उत्तरः–चालू अनुपात व सरल परख अनुपात

प्र. 8 क्रियाशीलता अनुपात निकाले जाते है।
उत्तरः–विक्रय के आधार पर

प्र. 9 मूल्य अर्जन अनुपात निम्न में से किसके आधार पर निकाला जाता है ?
उत्तरः–प्रति अंश बाजार मूल्य

प्र. 10 लाभदायकता अनुपात है–
उत्तरः–1. परिचालान लाभ अनुपात
2. विनियोजित पूँजी पर प्रत्याय
3. प्रति अंश लाभांश

प्र. 11 Proprietary fund का अन्य नाम है–
उत्तरः– 1. Shareholder fund
2. Internal liabilities
3. Net worth

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 12 ऋण समता अनुपात है–

उत्तरः– $\frac{\text{Long term debts}}{\text{Share holder's fund}}$

प्र. 13 स्टॉक आर्वत अनुपात में बिक्री की लागत में भाग दिया जाता है,
उत्तरः– औसत स्टाक का।

प्र. 14 देनदार आवर्त अनुपात में बिक्रीय से आशय है–
उत्तरः– नकद बिक्री + आधार बिक्री – वापसी

प्र. 15 लेनदार आर्वत अनुपात में क्रय में तात्पर्य है–
उत्तरः– नकद क्रय + उधार क्रय – वापसी

प्र. 16 एक कम्पनी का शुद्ध लाभ 80,000, कुल बिक्री 344,000रु. व विक्रय वापसी 24,000 है शुद्ध लाभ अनुपात होता है।
उत्तरः– 25 प्रतिशत

प्र. 17 शोधन क्षमता अनुपात से क्या आशय है ?
उत्तरः– शोधन क्षमता अनुपात, संस्था के कुल बाहय दायित्वों तथा कुल सम्पत्तियों के मध्य सम्बन्ध को व्यक्त करता है।

प्र. 18 औसत संग्रहण अवधि किसे कहते है ?
उत्तरः– औसत संग्रहण अवधि से आशय दिनों की उस संख्या से है जिसमें संस्था को उसके व्यापारिक प्राव्यों से धनराशि की वसूली होती है।

प्र. 19 दो कृत्रिम सम्पतियों के नाम लिखिए।
उत्तरः– 1. प्रारम्भिक व्यय 2. अंशो व ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा

प्र. 20 जयपुर लिमिटेड का चालू अनुपात 3:1 तथा त्वरित अनुपात 1:1 तथा चालू दायित्व 6,00,000 है। स्टॉक की राशि होगी।
उत्तरः– 12,00,000 रु.

प्र. 21 एक संस्था का स्कन्ध आवर्त अनुपात छः गुना है। अनुपात की यह अभिव्यक्ति है–
उत्तरः–दर के रुप में

प्र. 22 तरल अनुपात की गणना करने समय निम्न में से किस सम्पति को ध्यान नही रखा जाता है–
उत्तरः– स्कन्ध (INVENTORY)

प्र. 23 स्कन्ध आवर्त अनुपात किसे कहते है ?
उत्तरः–बेचे गए माल की लागत एवं औसत स्कन्ध के मध्य सम्बन्ध को प्रदर्शित करने वाले अनुपात को सम्बन्ध आवर्त अनुपात कहते है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 24 तरल अनुपात से आप क्या समझते है ?

उत्तरः– तरल अनुपात संस्था को तरल सम्पतियों व चालू दायित्वों के मध्य सम्बन्ध को व्यक्त करता है।

प्र. 25 शोधन क्षमता अनुपात से क्या समझते है।

उत्तरः– यह अनुपात संस्था की दीर्घकालीन शोधन क्षमता का मापन एवं विश्लेषण करने के लिए ज्ञात किया जाता है।

प्र. 26 औसत संग्रहण अवधि किसे कहते है ?

उत्तरः– औसत संग्रहण अवधि का सम्बन्ध औसत वसूली अवधि से होता है जिससे यह पता चलता है कि संस्था कितने दिनों में देनदारो से राशि वसूल कर जाती है। यह अवधि जितनी कम होगी देनदार उतने ही अच्छे माने जाएगे।

प्र. 27 औसत व्यापारिक प्राव्यो से क्या आशय है ?

उत्तरः–

$$\text{Average receivable} = \frac{\text{Open ing debtors} + \text{Bills Receivable} + \text{Closing Debtors}}{2}$$

प्र. 28 परिचालन अनुपात से क्या आशय है।

उत्तरः– ऐसा अनुपात जो व्यापार के परिचालन लागतों एवं शुद्ध बिक्री के मध्य सम्बन्ध को दर्शाता है, उसे परिचालन अनुपात कहते है।

प्र. 29 परिचालन अनुपात का सूत्र लिखिए।

उत्तरः–

$$\text{Operting Ratio} = \frac{\text{Cost of goods sold} + \text{operating Exp.}}{\text{Net Sales}}$$

प्र. 30 विक्रय के आधार पर ज्ञात किए जोन वाले दो लाभदायकता अनुपाता के नाम लिखिए।

उत्तरः– 1. सकल लाभ अनुपात (Gross profit Ratio)

2. भाुद्ध लाभ अनुपात (Net profit Ratio)

प्र. 31 प्रति अंश अर्जन का सूत्र लिखिए।

उत्तरः–Earning per share = $\frac{\text{Net profit after interest} - \text{Dividend share perferneo}}{\text{Number of equity share}}$

प्र. 32 आदर्श तरल अनुपात क्या है ?

उत्तरः– आदर्श तरल अनुपात 1:1 है।

प्र. 33 यदि एक कम्पनी का परिचलान अनुपात 78 प्रतिशत है तो उसका परिचालन लाभ अनुपात होगा–

उत्तरः–22 प्रतिशत।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 34 एक कम्पनी का स्कन्धं आवर्त अनुपात चार है तथा इसकी संचालन से आगम की लागत 2,40,000 है तो औसत स्कन्ध होगा।
उत्तरः– 60,000

प्र. 35 अनुपात विश्लेषण के जन्मदाता है–
उत्तरः– अलेक्जेण्डर

प्र. 36 कम्पनी की क्रियाशीलता मापी जा सकती है–
उत्तरः– रहतिया आवर्त अनुपात

प्र. 37 यदि चालू दायित्व 30,000 रु. है व चालू अनुपात 1.5:1 है तो चालू सम्पति होगी–
उत्तरः– 45,000 रु.

प्र. 38 बेचे गए माल की लागत 40,000 रु. है तथा स्टाक आवर्त अनुपात चार है तो औसत स्टॉक होगा।
उत्तरः– 10,000 रु.

प्र. 39 कार्यशील पूंजी का सूत्र लिखे–
उत्तरः– चालू सम्पत्तियाँ – चालू दायित्व

प्र. 40 चालू सम्पत्तियों का मूल्य वसूल होना चाहिए–
उत्तरः– 1 वर्ष में।

प्र. 41 लाभदायकता अनुपात किसमें व्यक्त किए जाते है–
उत्तरः– प्रतिशत में।

प्र. 42 शुद्ध लाभ अनुपात शुद्ध लाभ और किसके बीच सम्बन्ध को स्पष्ट करता है
उत्तरः– विक्रय के बीच

प्र. 43 बाह्य दायित्वों से क्या आशय है ?
उत्तरः– बाह्य दायित्वों से आशय सभी बाह्य दीर्घकालीन एवं चालू दायित्वों के योग से है। इन्हें कुल ऋण (Total debts) बाह्य कोष (outsider's fund) भी कहते है।

प्र. 44 आन्तरिक दायित्वो को और किस नाम से जाना जाता है ?
उत्तरः–Internal equities, share holder fund, proprietor fund भी कहा जाता है।

प्र. 45 स्वामित्व अनुपात ज्ञात करने का सूत्र दीजिए।
उत्तरः–

$$\text{Preprietory Ratio} = \frac{\text{Shareholders fund}}{\text{Total Assets}}$$

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 1 चालू अनुपात एवं त्वरित अनुपात में अन्तर लिखिए।

उत्तर

क्र.स.	अन्तर का आधार	चालू अनुपात	त्वरित अनुपात
1.	सम्बन्ध	यह अनुपात चालू सम्पतियों और चालू दायित्वों के मध्य सम्बन्ध दर्शाता है।	यह अनुपात तरल सम्पतियों एवं चालू दायित्वों के मध्य सम्बन्ध को दर्शाता है।
2.	आदर्श अनुपात	2:1	1:1

प्र. 2 अनुपात विश्लेषण की 4 सीमाएं बताइये।

उत्तर अनुपात विश्लेषण की 4 सीमाएं निम्नलिखित है –

1. एक अकेले अनुपात का सीमित महत्व।
2. झूठे दिखावें से प्रभावित।
3. समस्या के गुणात्मक विश्लेषण का अभाव।
4. निर्वचन के लिए साधन मात्र।

प्र. 3 अंशधारियों के कोष में निम्नलिखित मदें शामिल की जाती है ?

उत्तर Shareholder's Fund = Equity share capital + Preference share capital + Reserve and Surplus – Fictitious Assets

प्र. 4 सकल लाभ अनुपात व शुद्व लाभ अनुपात को समझाइये।

उत्तर 1. सकल लाभ अनुपात $= \frac{\text{सकल लाभ} \times 100}{\text{शुद्व ब्रिकी}}$

2. शुद्व लाभ अनुपात $= \frac{\text{शुद्व लाभ कर पश्चात्} \times 100}{\text{शुद्व ब्रिकी}}$

प्र. 5 एक व्यापारिक संस्था का स्कन्ध आर्वत अनुपात 15 गुना है तथा इसके औसत स्कन्ध का मूल्य 20,000 रूपये है। माल विक्रय मूल्य पर 25 प्रतिशत लाभ पर बेचा जाता है। लाभ की गणना कीजिए।

उत्तर Stock Turnover Ratio = $\frac{\text{Cost of Goods sold}}{\text{Average Stock}}$

$$15 = \frac{x}{20000} = 3,00,000$$

विक्रय मूल्य $= \frac{100}{75} \times 3,00,000 = 4,00,000$

विक्रय मूल्य पर 25%लाभ $= 4,00,000 \times \frac{25}{100} = 1,00,000$

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 6 एक कम्पनी की कार्यशील पूंजी 90,000 है। यदि इसका चालू अनुपात 2:5:1 हो तो चालू सम्पतियों की गणना करो।

उत्तर Current Assets = Working Capital + Liabilities

$$2.5x = 90,000 + x$$

$$2.5-x = 90,000$$

$$1.5x = 90,000$$

$$x = \frac{90000}{1.5} = 60,000 \text{ Liabilities}$$

Assets = 60,000 * 25 = 1,50,000

प्र. 7 अनुपातों की अभिव्यक्ति कितने प्रकार से की जा सकती है ?

उत्तर अनुपातों की अभिव्यक्ति 3 प्रकार से अभिव्यक्ति किया जा सकता है –

1. शुद्व अनुपात के रूप में।
2. दर के रूप में।
3. प्रतिशत के रूप में।

प्र. 8 ऋण समता अनुपात की गणना किस प्रकार से की जाती है ?

उत्तर यह अनुपात संस्था के बाह्य दायित्वों व आन्तरिक दायित्वों के मध्य सम्बन्ध स्थापित करता है।

$$\text{Debt Equity Ratio} = \frac{\text{ExternalLiabilities}}{\text{Internal Liabil ities}}$$

or

$$\frac{\text{Outsider}'\text{s fund / Total debts}}{\text{Shareholder fund /Net worth}}$$

प्र. 9 रोहिणी लि. के 4,00,000 के 5% ऋणपत्र है। ब्याज एवं कर से पूर्व इसका लाभ 1,50,000 रू. है। ब्याज व्याप्ति अनुपात की गणना करो।

उत्तर

$$\text{Interest Coverage Ratio} = \frac{\text{Profit before sharing interest \&tax}}{\text{Fixed interest + charges}}$$

$$\frac{150,000}{20,000} = 7.5 \text{ Times}$$

Interest on debenture = 5% of 4,00,000= 20,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 10 चालू सम्पति की गणना कीजिए –

उत्तर चालू दायित्व= 1,00,000 रू. कार्यशील पूंजी =50,000 रू.

Current Assets = Working capital + current Liabilities

= 50,000 + 1,00,000

= 1,50,000

निबन्धात्मक प्रश्नः–

प्र. 1 एक कम्पनी के सम्बन्ध में निम्न सूचना दी गयी है :

Sales 8,00,000	Operating Exp. 64,000
Gross profit 1,20,000	Opening Stock 1,00,000
Closing Stock 1,60,000	Debenture 80,000
Net Profit 60,000	Net Fixed Assets 4,00,000

समस्त विक्रय उधार मानकर उपर्युक्त सूचना से निम्न अनुपातो की गणना कीजिए–

(1) परिचालन अनुपात (2) शुद्व लाभ अनुपात

(3) देनदार आर्वत अनुपात (4) स्थायी सम्पति आर्वत अनुपात

उत्तर (i) परिचालन अनुपात= $\frac{\text{Operating Cost}}{\text{Net Sales}} \times 100$

$$\frac{7,44,000}{8,00,000} \times 100 = 93\%$$

Operating cost = Cost of Goods sold + Operating Exp.

= 8,00,000 – 1,20,000 + 64,000

= 7,44,000

(ii) Net Profit Ratio = $\frac{\text{Net Profit}}{\text{Net Sales}} \times 100$

$$= \frac{60,000}{8,00,000} \times 100 = 7.5\%$$

CBEO BHINDER UDAIPUR

(iii) Debtors Turnover Ratio= $\frac{\text{Net Credit sales}}{\text{Total Average Debtors /Recei .}} \times 100$

$= \frac{60,000}{8,00,000} \times 100 = 7.5\%$

(iv) Fixed Assets Turnover Ratio $= \frac{\text{Cost of Goods sold}}{\text{Net fixed Assets}}$

$\frac{6,80,000}{4,00,000}$ = 1.7 Times

प्र. 2 निम्न दशाओं में चालू सम्पतियों की गणना कीजिए–

(A) चालू दायित्व 1,00,000 रु चालू अनुपात 2.5:1

(B) स्टॉक 10,000 रु, चालू दायित्व 20,000 रु तथा त्वरित अनुपात 4:1

उत्तर(A)Current Ratio= $\frac{\text{Current Assets}}{\text{Current liabilities}}$

$= \frac{2.5}{1} = \frac{\text{Current Assets}}{1,00,000}$

= 1,00,000 × 2.5 = 2,50,000

(B) Quick Ratio $= \frac{\text{Liquid Assest}}{\text{Current +Liabilitues}} = \frac{4}{1} = \frac{\text{Liquid Assest}}{20,000}$

Liquid Assets =4 × 20,000 = 80,000

Current Assets= Liquid Assets + stock

80,000 + 10,000 =90,000

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 3 चालू अनुपात एवं तरल अनुपात ज्ञात करो ।

रहतिया Stock - 1,00,000 चालू परिसम्पत्ति 1,60,000

चालू दायित्व 1,00,000

उत्तर चालू अनुपात = $\frac{\text{चालू परिसम्पति}}{\text{चालू दायित्व}}$

$$\frac{160,000}{100,000} = 1.6 : 1$$

तरल अनुपात = $\frac{\text{तरल परिसम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}}$

$$\frac{160,000}{100,000} = 0.6 : 1$$

CBEO BHINDER UDAIPUR